RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

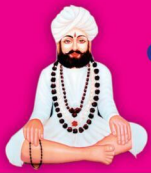

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 अंक : 201 29 अप्रेल, 2022 मूल्य : 30/-प्रति

नागौर में आयोजित सामूहिक विवाह

प्रस्तावित महात्मा ज्योतिबा फुले भवन, विधायक-नगर जयपुर

नागौर सामूहिक विवाह एवं छात्रावास भामाशाहों सम्मान समारोह की झलकियां

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 16 ● अंक 201 ● 29 अप्रेल, 2022 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद् / समाजसेवी)

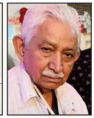

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

संपादक की कलम से...

देश भर से समाज की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के द्वारा महात्मा ज्योति बा फूले के जन्म दिवस को धूमधाम से मनाए जाने के समाचार प्राप्त होते है। लेकिन क्या वास्तव में हम महात्मा ज्योति बा फूले के आदर्शों पर चल रहे है?

आप सभी ने शायद महात्मा ज्योति बा फूले की जीवनी को पढ़ा होगा या कुछ जानकारी उनके जीवन काल में किए गए महान कार्यों की होगी। अगर नहीं भी है तो आप अब यह सब जानकारी हमारे द्वारा तैयार की गई वेब-साईट www.mahatmajyotirao.org से प्राप्त कर सकते है।

हमारे समाज में जन्में महात्मा ज्योति बा फूले ने अनेकों कुरीतियों को समाप्त करने का प्रथम अवसर प्राप्त करने का गौरव प्राप्त किया था। वर्तमान में महात्मा फूले की जय जयकार के नारे लगाना और उनकी प्रतिमाओं पर फूल मालायें चढ़ाना प्रगतिशीलता का धोतक बन रहा है। आकारों की पूजा करके विचारों की उपेक्षा करने की परम्परागत प्रथा है, वही सामाजिक तथा आर्थिक पिछड़ेपन की जड़ है। हम केवल एक दिन महात्मा फूले के आदर्शों की बात कर फिर वर्षभर उनके आदर्शों के लिए कितने प्रयास करते है कभी सोचा है?

महात्मा ज्योति बा फूले ने जो महत्वपूर्ण कार्य किये जिस पर हमारा समाज ही नहीं बल्कि पिछड़ें व उपेक्षित तबकें के लोग आज भी उनके गुणगान करते है उनके कुछ कार्य जो मानव हितार्थ किए गये थे उसमें से सबसे महत्वपूर्ण कार्य :-

1. समाज को शिक्षित करना।
2. महिलाओं को शिक्षित करना।
3. शुद्रों, अतिशुद्रों के कल्याण के लिए कार्य करना।
4. भेद-भाव को समाप्त करना।
5. विधवा विवाह करवाना।
6. मजदूरों एवं किसानों के लिए अधिकारों के लिए संघर्ष करना।
7. परित्यागता महिलाओं को पुर्न-विवाह एवं उनको रोजगार के लिए प्रक्षिशित करना।

इसके अलावा अनेकों ऐसे कार्यों को किया जो कि आज से 188 वर्ष पूर्व किसी ने सोचा भी नहीं था। हम विचार करें इनमें से कितने कार्यों को हमारी समाज की संस्थाओं ने हाथ में लिया है तथा उसके लिए वर्ष भर कार्य करने का श्रम किया है। शायद इसका जवाब ना ही मिलेगा कुछ अपवाद को छोड़ कर। हम सब का यह प्रयास होना चाहिए जिस महापुरूष के कर्मों से आज गौरवान्वित हो रहे है हम उनके द्वारा मानव उत्थान के लिए किए गये कार्यों का उल्लेख कर रहे है उन कामों को हाथ में ले तथा उसका विस्तृत कार्यक्रम बना कर समाज में जागृति लाने का प्रयास करे तभी हम उनके वंशज होने का गौरव होगा तथा उनको सच्ची श्रद्धाजंलि होगी।

क्या वास्तव में हम महात्मा फुले के आर्दशों पर चल रहे हैं...

मनीष गहलोत
संपादक

माली सैनी समाज का राष्ट्रीय महा जनगणना मोबाइल ऐप डॉउनलोड कर अपने परिवार की जानकारी अवश्य जोड़े।
माली सैनी समाज

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

अद्‌भुत, अविश्वसनीय माली समाज का सामूहिक विवाह समारोह धूमधाम से सम्पन्न

नागौर में समाज के 141 जोड़ो ने थामा सामूहिक विवाह समारोह में एक दूसरे का साथ

- आशीर्वाद देने अशोक गहलोत एवं राजेन्द्र गहलोत भी आए
- 141 जोड़े, 15000 बाराती; सभी को समान विवाह भेंट, जोड़ों की ड्रेस व सीख के कपड़े तक एक जैसे
- ज्योति बा फुले छात्रावास का वर्चुअल उद्‌घाटन
- ऐसे आयोजनों से समाज में एकजुटता आती है - **अशोक गहलोत**

उत्साह का ज्वार उमड़ा

सामाजिक संयम व समर्पण की गंगधार बही

नागौर। नागौर जिला मुख्यालय में सैनिक क्षत्रिय माली समाज, नागौर के तृतीय विशाल सामूहिक विवाह समारोह में जनसैलाब उमड़ पड़ा। 141 वर राजाओं की निकासी ने जब संस्थान के हनुमान बाग परिसर से प्रस्थान किया तब चुंगी नाका से चेनार की ढ़लान का दृश्य अद्‌भुत था। ऐसा लगा जैसे गंगा की धारा पठारी क्षेत्र से कल कल करती हुई मैदानी क्षेत्र की ओर बह रही। 7 जिलों व हैदराबाद, मध्यप्रदेश के परिजन इस विवाह समारोह में शामिल हुए। इसलिए मारवाड़ी, शेखावाटी, हैदराबादी व मध्य प्रदेश की संस्कृति, पहनावा व विवाह से संबंधित गीतों की झलक भी एक समन्वय के रूप में दर्शित हुई।

सवेरे ठीक 9.15 बजे माली संस्थान परिसर से एक समान वेश धारण कर 141 दूल्हों की बारात ले साथ बैंड बाजों के साथ आयोजन स्थल की ओर प्रस्थान किया। रास्ते में संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज के जयकारे के साथ साथ नागरिकों ने जोरदार पुष्प वर्षा कर के बारात का स्वागत किया। बारात में सबसे पहले परंपरागत रैंकलिया दो बैलों की जोड़ी के बाद में संस्थान अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार ने समाज की ध्वज पताका के साथ घोड़ी पर बैठकर बारात की अगुवाई की। माली समाज के बालकिशन भाटी ने बताया कि इस अवसर पर भामाशाह रामवल्लभ भाटी, बलदेव राम भाटी, उपाध्यक्ष रामजस भाटी, सचिव रामकुमार सोलंकी, सहसचिव देवकिशन भाटी, कोषाध्यक्ष इंद्रचंद कच्छावा, कार्यकारिणी सदस्य मेहराम सांखला, धर्मेंद्र सोलंकी, देवकिशन सोलंकी सहित फूलचंद टाक, मुरारी सांखला, नरेंद्र कच्छावा, रामजीवण सांखला, राजेंद्र पंवार, रामनिवास कच्छावा, जीवणमल भाटी, मांगीलाल भाटी, खींवसिंह सोलंकी, आईदानराम भाटी, रामकिशोर सोलंकी, डॉ सुरेश भाटी, नथमल गहलोत सहित अनेक समाज बंधु शामिल हुए। हजारों की संख्या में मातृशक्ति व पुरुषों ने पंजाबी बैंड व भांगड़ा पार्टी की थाप के साथ बारात का भरपूर आनंद लिया। बाद में बारात राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चेनार के समीप स्थित आयोजन स्थल पर पहुंची जहां वरों द्वारा तोरण का कार्यक्रम किया गया तथा पौधों के परिवार की मातृशक्ति ने उनका स्वागत किया।

हैदराबाद माली महिला मंडल की मातृशक्ति द्वारा झिलमिला आरती का कार्यक्रम किया गया। बाद में संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज परिसर में स्थित रामजानकी मंडप में यज्ञ विधि विधान के साथ पाणि ग्रहण संस्कार सामाजिक कार्यकर्ता रुद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में पंडितों द्वारा संस्कृत श्लोक व हिंदी दोहों के माध्यम से वर वधूओं को मर्यादा, संस्कार संकल्प करवाएं तथा उनके परिजनों द्वारा कन्यादान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तृतीय सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने 141 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर उपस्थित समाजबंधुओं को संबोधित किया। गहलोत ने समाज की ओर से तीसरी बार सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि यह अच्छा संकेत है, जिसमें वर-वधूओं में भी उत्साह है। यानी वे अपने मन से सामूहिक विवाह में परिणय सूत्र में बंध रहे हैं, यह अच्छी परम्परा है, जो अमीर-गरीब का भेद मिटाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में एकजुटता आती है तथा भाईचारे की भावना बढ़ती है। उन्होंने कहा कि सब जाति-बिरादरी एक साथ रहें, शांति और सद्‌भावना से ही देश आगे बढता है। गहलोत ने कहा कि समाज में ज्योतिबा राव फुले व सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा की अलख जगाई। 20. साल पहले जब वे मुख्यमंत्री थे, तब स्कूलों में लड़कियों की संख्या काफी कम थी। आज मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि लडकों से ज्यादा लड़कियां पढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जाति और समाज के नाम पर हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं, आगे बढने के लिए शिक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि जहां सरकारी स्कूल में लड़कियों की संख्या 500 होंगी, वहां वे कॉलेज खोल देंगे।

अशोक गहलोत ने राम जानकी मंडप में आकर वर वधूओं को उनके गृहस्थ जीवन की बधाई व शुभकामनाएं दी गई। राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, माली संस्थान तीन गांव के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार, महामंडलेश्वर कुशाल गिरी, सुनील परिहार, राज्य विधानसभा में उप मुख्य सचेतक महेन्द्र चौधरी, विधायक डॉ. मंजू मेघवाल, चेतन डूडी, पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान, जाकिर हुसैन गैसावत, मंत्री शकुंतला रावत, चांदमल भाटी, जीवन लाल, मूलचंद भाटी, पूर्व मंत्री मांगी लाल, राजेन्द्र गहलोत, रामस्वरूप, गोविंद सिंह डोटासरा, रामवल्लभ (मामा), सरपंच योगेन्द्र सोलंकी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को भव्य वे सफल बनाने में स्वच्छता सेनानी के रूप में धीरज तंवर, कार्तिक भाटी व उसके साथियों ने तथा रामनिवास कच्छावाह के नेतृत्व में स्कूल के विद्यार्थियों के साथ-साथ राठौड़ी कुआं माली समाज नवयुवक मंडल, जगावता बास सहित ताऊसर, चेनार व नागौर नगर के कार्यकर्ताओं, भोपालगढ़, पीपाड़, कुचेरा, हैदराबाद से आए ह्यूमिनिटी ग्रुप के युवा कार्यकर्ताओं के कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग किया। रविंद्र सिंह परिहार, जेठमल गहलोत, अमरचंद गहलोत, सुरेश सोलंकी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा बाहर से आए हजारों बारातियों के लिए 34 होटलों, विभिन्न विद्यालयों व व्यक्तिगत आवासों में ठहरने की व्यवस्था की गई।

भाटी परिवार बाईसर बने भोजन प्रसाद के लाभार्थी : इस विशाल विवाह समारोह के निमित्त हैदराबाद प्रवासी व बाईसर, ताऊसर के मूल निवासी भाटी परिवार भोजन प्रसादी के लाभार्थी बने। भामाशाह बंशीलाल भाटी, राम बल्लभ मामा सेठ व उनके अनुज बलदेव राम भाटी सहित भाटी परिवार ने भोजन प्रसाद के भामाशाह के रूप में अपने परिवार सहित इस आयोजन में भाग लिया।

हैदराबाद में सामूहिक विवाह को देख कर संकल्प लिया था - रामस्वरूप पंवार

- प्रथम सामूहिक विवाह 2018 में हुआ जिसमें 80 जोड़े बने हमसफर
- 2003 में हैदराबाद में सामूहिक विवाह सम्मेलन देखकर जगी उत्कंठा
- समाज अध्यक्ष बन नागौर में शुरूआत, फिजुलखर्ची रोकने और समाज को एक सूत्र में पिरोने की जिद- रामस्वरूप पंवार अध्यक्ष, माली समाज

ये हैं माली समाज के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार। समाज को एकता के सूत्र में बांधने और फिजूल खर्ची रोकने की उत्कंठा ने ही इन्हें इस पद तक पहुंचाया है। 19 साल पहले हैदराबाद में एक सामूहिक विवाह को देख संकल्प लिया था कि किसी दिन नागौर में भी ऐसा आयोजन कराएंगे। 2017 में सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान तीनों गांव के अध्यक्ष बने और अपने घोषणापत्र में भी लोगों से वादा किया था कि समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन कराएंगे। समाज का छात्रावास बनाएंगे और चिकित्सा के लिए समाज की एक एंबुलेंस भी होगी। वादानुसार 2018 में पहला सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ जिसमें 80 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे थे। 2020 में 94 और इस बार 141 जोड़ों का विवाह हुआ।

रामस्वरूप पंवार ने बताया कि 2003 में जब मेरी माताजी चेनार की सरपंच बनी तो हैदाराबाद में मारवाड़ी ग्रुप आप और हम के सामूहिक विवाह सम्मेलन में बतौर अतिथि जाना पड़ा। वहां सम्मेलन को देख ठान लिया कि हो न हो ऐसा आयोजन नागौर में भी करूंगा। लेकिन यह सब करने के लिए अवसर चाहिए था। 2017 में सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान तीनों गांव के समाज ने मुझे अध्यक्ष चुना। मेरे चुनावी घोषणा पत्र में मैनें समाज से वादा किया था कि समाज को फिजूलखर्ची से बचाने और सकारात्मकता का संदेश देने के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन कराऊंगा। वादानुसार 2018 में सामूहिक विवाह सम्मेलन की शुरूआत की।

ऐसा नहीं है कि इस सम्मेलन में माली ही सहयोग करते है सभी जाति, वर्ग और धर्म के लोग दिल खोलकर सहयोग देते है। पूरा समाज मिलकर हर इस आयोजन में करोड़ो रूपए खर्च करता है।

2018 में पहले सामूहिक विवाह समारोह की शुरूआत बहुत कठिन रही। इसमें 25 सदस्यों की टीम बनाई। 45 दिनों में 54 गांवों का दौरा कर समाज के प्रत्येक घर जा सम्मेलन का प्रचार किया। कुछ बुर्जुगों ने इस उचित नहीं समझा और बाकी लोगों ने सामूहिक विवाह में शादियां न करने की बात तक कही। लेकिन हमने हार नहीं मानी। आयोजन के फायदे समझाने की कोशिश में जुटे रहे। फिर एक के बाद एक 30, 45, 75 करते करते पहले सामूहिक विवाह सम्मेलन में 80 जोड़े बैठे। और जो लोग विरोध कर रहे थे वो खुद आगे आए और नवदंपतियों को आशीर्वाद देने पहुंचे। क्योंकि इसकी भावना और फायदें पता चल गए थे।

इस बार फिजूलखर्ची पर और लगाम लगाएंगे :

आमतौर पर समाज के मध्यमवर्ग के लोगों का किसी भी शादी विवाह में 8 से 10 लाख रूपए खर्च आ जाता है। विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची को रोकने व समाज में समरसता लाने के लिए लोगों के करीब 10 से 12 करोड़ रूपए बचते है। क्योंकि अलग अलग शादियों में खर्च बहुत ज्यादा आता है। हैदराबाद वाला समारोह बारिकी से समझा और फिर जहां भी ऐसे बड़े आयोजन होता वहां मैं जाता और उनसे सीखता ताकि जब हम शुरू करेंगे तो कोई कमी न रहं ऐसे ही सामूहिक विवाह सम्मेलन में मेरे चाचा के बेटे भई की भी शादी हो रखी है।,

इस आयोजन में सभी वर्गो व लोगों का पूरा सहयोग रहता है। मैं केवल अध्यक्ष मात्र हूं, काम पूरा समाज करता है सबका सहयोग रहा है।

समाज के प्रबुद्वजनों ने आगे बढ़कर संभाला मोर्चा : *सामूहिक विवाह सम्मेलन में रामवल्लभ भाटी, बलदेव राम भाटी, उपाध्यक्ष रामजस भाटी, सचिव रामकुमार सोलंकी, सहसचिव देवकिशन भाटी, कोषाध्यक्ष इंद्रचंद कच्छावा, मेहराम सांखला, धर्मेंद्र सोलंकी, देवकिशन सोलंकी, फूलचंद टाक, मुरारी सांखला, नरेंद कच्छावा, रामजीवण सांखला, राजेंद्र पंवार, रामनिवास कच्छावा, जीवणमल भाटी, मांगीलाल भाटी, खींवसिंह सोलंकी, आईदानराम भाटी, रामकिशोर सोलंकी, डॉ सुरेश भाटी, रामनिवास टाक, नरेंद्र पंवार, अशोक तंवर, श्रवण कुमार भाटी, लोकेश टाक, कमल किशोर भाटी, टीकमचंद कच्छावा, रूपचंद टाक, मांगीलाल गहलोत, राधेश्याम टाक कानाराम टाक, पारसमल परिहार, ताराचंदश सांखला, नथमल गहलोत, कानाराम, सांखला आदि भी व्यवस्थाओं में जुटे रहे।*

इन सभी युवा साथियों का रहा भरपूर सहयोग : *कार्यक्रम में व्यवस्थाओं के लिए स्वच्छता सेनानी के रूप में धीरज तंवर, कार्तिक भाटी व उसके साथियों ने तथा रामनिवास कच्छावा के नेतृत्व में स्कूल के विद्यार्थियों की टीम पूरे समय लगी रही। इनके साथ ही राठौड़ी कुआं माली समाज नवयुवक मंडल, जगावता बास सहित ताऊसर, चेनार व नागौर नगर के कार्यकर्ताओं, भोपाल गढ़, पीपाड़. कुचेरा, हैदराबाद से आए ह्यूमिनिटी ग्रुप के युवा कार्यकर्ताओं, का दल लगा रहा। इसके अलावा, रविंद्र सिंह परिहार, जेठमल गहलोत, अमरचंद गहलोत, सुरेश सोलंकी के नेतृत्व में टीम ने बारातियों के लिए 34 होटलों, विभिन्न विद्यालयों व व्यक्तिगत स्तर पर आवासों में ठहराने की व्यवस्था की गई थी*

सामूहिक विवाह आयोजन में सहयोग करने वाले भामाशाहों का हुआ बहुमान

एकजुटता व एक सोच के साथ काम करने वाले पुरूषार्थी माली समाज की यह विशिष्टता लगातार आगे बढ़े ऐसा भाव होना चाहिए
- राजेन्द्र गहलोत

अपनी शैक्षिक योग्यता व क्षमता का सदुपयोग देश के लिए, समाज के लिए हो यही श्रेष्ठ है
- निर्मल गहलोत

नागौर। सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान तीनों गांव, नागौर के तत्वाधान में आयोजित तृतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन के निमित्त भामाशाह सम्मान समारोह संपन्न हुआ । ताऊसर रोड एमडीएच के सामने स्थित माली समाज के नवनिर्मित छात्रावास में यह कार्यक्रम हुआ । संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज शिक्षा परिसर में महात्मा ज्योतिबा फुले माली सैनी छात्रावास के इस कार्यक्रम में तृतीय सामूहिक विवाह समारोह के भोजन प्रसादी के लाभार्थी सर ताऊसर गांव के भाटी परिवार द्वारा पूजन वर्णन किया गया इस अवसर महामंडलेश्वर कुशाल गिरी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित यह कार्यक्रम संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा नागौर के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत के मुख्य आतिथ्य, उत्कर्ष शिक्षण संस्थान जोधपुर के फाउण्डर निर्मल गहलोत, माली समाज पुष्कर सेवा सदन समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश सांखला के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ ।

सबसे पहले भामाशाह परिवार के रामवल्लभ भाटी मामा सेठ, बलदेव राम भाटी ने सामाजिक कार्यकर्ता रुद्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में मंत्रोच्चार के मध्य ऐतिहासिक कड़ाओं का पूजन किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने अपने संबोधन में कहा कि 2016 में अमरपुरा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित स्मारक लोकार्पण समारोह में मातृशक्ति की ऐतिहासिक कलश यात्रा सभी समाज बंधुओं की सहभागिता से सफल हुई जिस कार्यक्रम की पूरे देश में चर्चा रही। किसी भी कार्यक्रम में सबकी सहभागिता ही उसके सफलता का आधार है। नागौर माली समाज द्वारा प्रथम, द्वितीय सामूहिक विवाह की चर्चा सर्वत्र रही। ऐसे कार्यक्रमों में वर वधू को अनेक परिवारों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। एकजुटता व एक सोच के साथ काम करने वाले पुरूषार्थी माली समाज की यह विशिष्टता लगातार आगे बढ़े ऐसा भाव होना चाहिए । उन्होंने कहा कि माली समाज के अनेक लोग अपनी जन्मभूमि छोड़कर अन्य जगह को अपनी कर्मभूमि बनाकर के सफल हुए हैं जिनकी चर्चा से ही गर्व से सीना फूल जाता है। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के लिए प्रयास करने का आह्वान किया ।

अपने संबोधन में निर्मल गहलोत ने कहा कि इस छात्रावास से विद्यार्थी तैयार होकर निकले तथा समाज के लिए श्रेष्ठ कार्य करेंगे ऐसा विश्वास है। महाभारत में भीष्म पितामह ने पांच दान में से कन्यादान को महादान माना है। उन्होंने कहा कि अपनी शैक्षिक योग्यता व क्षमता का सदुपयोग देश के लिए, समाज के लिए हो यही श्रेष्ठ स्थिति है । उन्होंने कहा कि यह नवनिर्मित छात्रावास हमारे कर्मो,धर्म व त्याग भाव का संदेश है। बाएं हाथ से दान देने पर बाएं हाथ को भी पता नहीं चलना चाहिए। इसका अर्थ है दान करने के बाद में हमें घमंड नहीं करना चाहिए। लेकिन हमारे दाएं हाथ से दान देने पर अन्य नागरिक व समाज बंधु भी दाएं हाथ से दान देने के निमित्त प्रेरित हो। आज बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने के स्थान पर विवाह पर अधिक खर्च होता है। इस परिस्थितियों में अदला-बदली करनी चाहिए। कार्यक्रम में डॉ शंकर लाल परिहार ने समाज में कर्मचारी, भामाशाह व अन्य पदाधिकारियों के द्वारा समन्वित भाव से कार्य करने पर बल दिया।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर संत कुशाल गिरी महाराज ने भी अपना आशीर्वचन प्रदान किया । कार्यक्रम का संचालन बालकिशन भाटी ने किया । इस अवसर पर 70 से अधिक भामाशाहो का प्रशस्ति पत्र देकर, साफा व दुपट्टा पहनाकर पहानकर भावभीना स्वागत किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी उदमी रविंद्र सिंह परिहार, हरिश्चंद्र देवड़ा, आईदान राम भाटी, जेठमल गहलोत, जीवण मल भाटी, हीरालाल भाटी, कमल भाटी, महेंद्र भाटी , हरी राम गहलोत, राम सिंह सोलंकी, माणकचंद सांखला, भंवरलाल तंवर, हनुमान भाटी, बलदेव राम कच्छवा, लादूराम कच्छावा, धर्माराम सांखला, नरपत सिंह चौहान आदि बंधुओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में रोल गांव के भाटी परिवार द्वारा छात्रावास में भोजनशाला निर्माण पर भी प्रतिनिधि ग्रामवासियों का सम्मान किया गया । कार्यक्रम में माली समाज खींवसर के अध्यक्ष तथा मकराना बोरावड़ आदि 6 गांव सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष भी अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ उपस्थित थे । कार्यक्रम में माली संस्थान कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष रामजस भाटी, सह सचिव देव किशन भाटी, सदस्य रामेश्वर पंवार, राजेंद्र पंवार, रामबक्ष सांखला, देवकिशन सोलंकी, मेहराम सांखला, इंद्रचंद कच्छवा, राजेश सांखला, मांगीलाल गहलोत, टीकम चंद कच्छावा, रवि कच्छावा, प्रमोद पंवार, सुरेश टाक, लोकेश टाक, मुरारी सांखला, घनश्याम तंवर ने सहयोग किया ।

माली संगम

जानिए.....यह परंपरा क्यों कैसे और कहां से आई नागौर शहर में किसने की इसकी शुरूआत

100 वर्ष पूर्व इंदौर से नागौर आई थी डांडियाकी परंपरा, तब दो लोगों ने की थी शुरूआत, अब शीतलाष्टमी को ताऊसर में जुटता है पूरा शहर उत्सव की शुरूआत से अब तक करीब 15 हजार रिश्ते तय हो चुके 15 हजार की लागत के 64 कांसे के घुंघरू पहनकर थिरकते हैं कदम परंपरा निभाने के साथ डांडिया नृत्य का क्रेज भी राजस्थानी सुर ताल के साथ तीन घंटे तक नृत्य

नागौर। शीतलाष्टमी पर नागौर शहर में होने वाले सबसे बड़े डांडिया नृत्य की परंपरा 100 वर्ष पहले इंदौर से आई थी। तब यहां के व्यवसायी इंदौर गए थे। गरबा पर डांडिया देख मन में आया कि क्यों न हमारे नागौर में भी डांडिया जैसा नृत्य हो। तब दो लोगों ने शुरूआत की थी जो अब पूरे शहर का उत्सव बन चका। अब ताऊसर में डांडिया नृत्य होता है।

शीतला अष्टमी पर्व पर माली समाज की ओर से किया जाना वाला डांडिया उत्सव आज की युवा पीढ़ी जोश और उमंग के साथ इस प्राचीन परंपरा से जुड़ी है। शाम को आरंभ आयोजन के प्रारंभ में समाज के लोगों गणेश पूजन कर उत्सव का आगाज करते है।। श्रीकॉलोनी निवासी सत्यनारायण साखला ने बताया कि उनके पिता घामीराम सांखला तथा मामा किशनलाल इंदौर में व्यवसाय किया करते थे। वहां पर होने वाले डांडिया नृत्य आयोजन में भाग लेकर नृत्य सीखा और फिर नागौर में यह नाच लाकर इस परंपरा की शुरूआत बाड़ी कुंआ क्षेत्र से की। जिसके बाद यह पूरे शहर में धीरे धीरे बढ़ने लगी। बाड़ी कुंओ नया दरवाज, चैनार, राठौड़ी कुआं, मानासर, बस्सी तथा ताऊसर में यह इंडिया नृत्य आयोजन होने लगे। उत्सव में एक-दूसरे के परिवार मेल-मुलाकात कर बच्चों के रिश्ते तक तय करते हैं। अब तक 15 हजार के करीब रिश्तें इस आयोजन में तय हो चुकें। परंपरा निभाने के साथ डांडिया नृत्य का क्रेज भी सत्यनारायण सांखला ने बताया कि इस उत्सव के शुरुआत में लेकर आज तक लगभग 15 हजार से ज्यादा रिश्ते तय हो चुके हैं। हर उत्सव में काफी रिश्ते तय होते हैं। इस डांडिया उत्सव में युवाओं के साथ बच्चों से लेकर बड़े-बुजर्ग भी इसका आनंद उठाते है। दो से तीन घंटे चलने वाले इस कार्यक्रम में डांडिया नृत्तकों का घेरा लगभग 600 मीटर का होता है। इस घेरे की खास बात यह है कि एक आदमी को यह घेरा पुरा करने में कम से कम आधा घंटा लगता है।

6 से 7 फेरों में यह डांडिया नृत्य पूरा हो जाता है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में शहरवासी इस आयोजन में पहुंचे। राजस्थानी वेशभूषा की चमक के साथ कांसे के घुंघरूओं की पायल भी अपने आप में खास होती है जिसे डांडिया करने वाले युवक पहनते हैं। ऐसी एक पायल की कीमत करीब 15 हजार रूपए तक होती है। कांसे के बने एक घुंघरू की कीमत भी 200 से 250 रूपए तक होता है। इस पापल में 64 से 84 घुघरू होते हैं, जिनका वजन ढाई किलो तक होता है। इन्हें पहनकर गजस्थानी धुनों की मिठास बिखेरते गीतों पर दो से तीन घटें लगातार डांडिया खेलते है। जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों के हजारों लोग भी पहुंचते हैं।

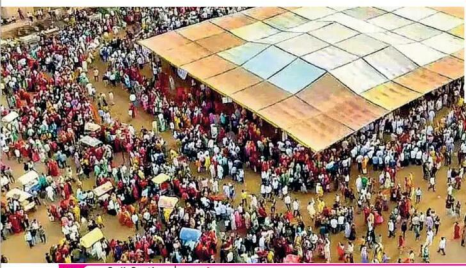

हम सब का दायित्व है कि हम महात्मा फुले के जीवन संदेश का अधिक से अधिक प्रसार करें : अशोक गहलोत

महात्मा ज्योति बा फुले की 195वीं जयन्ती पर देशभर में अनेकों आयोजन

जयपुर। महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयन्ती पर सादर नमन। महात्मा ज्योतिबा फुले ने गरीबों एवं पिछड़ों के सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान के लिये जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने समाज को आगे बढ़ाने के लिये शिक्षा का मूलमंत्र दिया, जिससे कमजोर, वंचित एवं पिछड़े वर्ग के लोग भी विकास की मुख्यधारा से जुड़कर अपनी सहभागिता निभा सकें।

महात्मा फुले ने छूआछूत, जातिप्रथा एवं पर्दाप्रथा जैसी कुरीतियों के विरुद्ध संगठित एवं शिक्षित समाज की स्थापना की अभिनव पहल की थी। हम समाज से कुरीतियों को दूर करने एवं अशिक्षा के अंधियारे को मिटाते हुए एक विकसित एवं समृद्धशाली राष्ट्र का निर्माण करने में सहभागिता निभायें।

हम सबका यह दायित्व है कि महापुरूषों के जीवन संदेश का अधिक से अधिक प्रसार करें और समाज में ऐसा माहौल बनाए कि कोई भी बच्चा अच्छी शिक्षा से वंचित न रहे। यह बात आज मुख्यमंत्री ने महात्मा फुले की 195वीं जयन्ती के अवसर पर माल्यार्पण करते समय कहीं।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 195वीं जयंती महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान प्रांगण, विद्याधर नगर में मनाई गई। मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री शकुंतला रावत एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजन लाल जाटव रहे। इस मौके पर शकुंतला रावत ने कहा कि अगर महात्मा ज्योतिबा फुले नहीं होते तो आज शिक्षा के अभाव में मैं राज्य सरकार में मंत्री नहीं होती। उनकी शिक्षा की ज्योति के कारण ही आज मैं मंत्री हूं। मंत्री भजन लाल जाटव ने कहा कि संविधान के निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर महात्मा ज्योतिबा फुले को गुरु मानते थे, उनके संविधान के कारण ही आज देश एक और अखंड है। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत महात्मा फुले और महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर प्रदेश की सेवा कर रहे हैं। इस मौके पर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अवार्ड देकर नवाजा गया।

महात्मा ज्योतिबा फुले अवॉर्ड डॉ. दीपक सैनी, सावित्री बाई फुले अवॉर्ड गीता कुमारी, ताराचंद चंदेल अवॉर्ड सुषमा तंवर, केएल सैनी अवॉर्ड विशाल सैनी बॉक्सर को दिया। संस्थान की ओर से आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आरडी सैनी ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी फूल वाले, संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अनुभव चंदेल, कर्मचारी अधिकारी एसोसिएशन अध्यक्ष राजूलाल सैनी, शेखावाटी माली समाज के अध्यक्ष महावीर सैनी, रोशन सैनी, सुनील परिहार, भवानी अजमेरा, शीला सैनी, जिलाध्यक्ष सीताराम सैनी एडवोकेट, रेणू सैनी सहित गणमान्य लोगों ने महात्मा फुले के विचारों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। राजस्थान धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के सदस्य भवानी शंकर माली ने आगंतुकों का आभार जताया।

नीम का थाना में 203 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान :

नीम का थाना। महात्मा ज्योति बा फुले की 195वीं जयंती पर सोमवार को कई संगठनों ने कार्यक्रम आयोजित किए। मुख्य समारोह महात्मा ज्योतिबाफुले छात्रावास में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक खेतड़ी पूरणमल सैनी ने सामाजिक उत्थान के साथ महिला शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। समारोह में सत्र 2019-20 एवं 2020-21 में सरकारी सेवाओं में चयनित अधिकारी- कार्मिक खिलाडियों. बोर्ड परीक्षाओं एवं यूजी-पीजी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान हुआ। अतिथियों का संस्थान पदाधिकारियों ने सम्मान किया। कार्यक्रम में संस्थान अध्यक्ष सुदंरमल सैनी, पाटन प्रधान सुवालाल सैनी, एएसपी जयपुर दिलीप सैनी व उद्योगपति मुरलीधर सैनी अतिथि के रूप में शामिल हुए। महामंत्री ताराचंद सैनी ने बताया कि जयंती के मौके पर संस्थान में 13 नए सदस्य जोड़े गए हैं। यहां 203 प्रतिभाओं का सम्मान किया।

खंडेला में आयोजित समारोह में 348 यूनिट रक्तदान :

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर पलसाना रोड स्थित मैरिज गार्डन में जागृति संस्थान के अध्यक्ष बनवारीलाल सैनी की अध्यक्षता में मनाई गई। रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सैनी जागृति संस्थान के अध्यक्ष सैनी ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन पर प्रकाश डाला। यहां एस के हॉस्पिटल सीकर की टीम ने 348 यूनिट रक्त संग्रह किया। रक्तदान करने वालों को जागृति संस्थान की ओर से सम्मानित किया। इस अवसर पर शिवशंकर सैनी, जयप्रकाश बाबलिया, श्रवण नेहरा, सुरेश सैनी, नन्धूराम, विनोद सैनी, शंकर सैनी, हेमराज व सुनील कटारिया सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

मुंडरू। कस्बे के दिवराला में जन स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को डॉ सांवरमल सैनी की अध्यक्षता एवं समाजसेवी सुभाष चंद्र, अमृत लाल सैनी के मुख्य आतिथ्य में महात्मा फुले की जयंती मनाई। डॉ. सैनी ने कहा कि महात्मा फुले गरीबों, दलितों,

वंचितों एवं पिछड़ों के मसीहा के रूप में अवतरित हुए थे। उन्होंने गरीबों के हितों के लिए हमेशा संघर्ष किया एवं समाज में फैली कुरीतियों, रूढ़ीवादियों, अंधविश्वासों, जातिवाद ,सती प्रथा दहेजप्रथा आदि का घोर विरोध करके समाज में एक नई अलख जगाई। इस दौरान बनवारीलाल सैनी, प्रकाश चंद्र सैनी, बजरंग लाल, कमलेश कुमार, रोशन लाल, विष्णु कुमावत व जयराम सैनी आदि ने महात्मा फुले के विचारों को आत्मसात करने का निर्णय लिया।

धौलपुर। विधायक शोभारानी कुशवाह ने कहा है कि मृत्युभोज एक अभिशाप है व जल्द से जल्द इससे छुटकारा पाना होगा। वे कस्बे में सैनी समाज शक्ति संकल्प संगठन द्वारा आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि जो पैसा हम माता पिता के मृत्युभोज पर खर्च करते हैं यदि हम जीते जी उनकी सेवा करें व उन्हें मनपसंद भोजन करवाएं तो यह सबसे महान कार्य होगा। कुशवाह ने कहा कि मृत्युभोज पर खर्च करने की बजाय समाज की किसी गरीब कन्या की शादी कराई जाए तो यह भी बेहतर होगा। राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीपी सैनी ने कहा कि समाज की एकता से हक मिलना सम्भव होगा। राज्य सरकार को जल्द से जल्द महात्मा फुले कल्याण बोर्ड का गठन करना होगा। कार्यक्रम को जुगलकिशोर सैनी, महेंद्र गहलोत, श्रीचंद सैनी, बल्ली सैनी ने भी संबोधित किया। इससे पहले सैनी समाज के 23 गांवों के प्रधान मानसिंह सैनी के नेतृत्व में अतिथियों का सम्मान किया गया। विधायक बाजिब अली द्वारा शोभायात्रा में ठंडे पानी का वितरण कराया। मुस्लिम समाज ने अखहर हुसैन के नेतृत्व में पुष्पवर्षा की।

नगर। सैनी समाज की ओर से महात्मा ज्योतिबा फुले की 195 वीं जयंती सैनी धर्मशाला पर मनाई। मुख्यअतिथि धौलपुर विधायक शोभा रानी कुशवाह ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में बच्चों का शिक्षित होना जरूरी है। हमें बालिकाओं को समान रूप से प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाना है। तभी सामाजिक विकास संभव है। उन्होंने ज्योतिबा फुले के जीवन पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जुगलकिशोर सैनी ने की। इस मौके पर सैनी समाज अध्यक्ष उदय सैनी, पार्षद गिरांज सैनी, फतेहचन्द, दौलतराम, मूलचन्द, चेतन, रूपसिह, नरेश, रतन सैनी आदि मौजूद थे।

स्कूल कोर्स में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले की जीवनी होगी शामिल : शिवराज सिंह (मुख्यमंत्री , म. प्रदेश)

दमोह। ज्योतिबा फुले जयंती पर पॉलीटेक्निक कॉलेज प्रांगण में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में सीएम शिवराज सिंह शामिल हुए। उन्होंने स्कूली कोर्स में ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फुले की जीवनी शामिल करने की घोषणा की। उनके योगदान को समाज तक पहुंचाने सरकार हर साल जयंती मनाएगी। इस दिन ऐच्छिक अवकाश दिया जाएगा। सीएम ने दमोह में बन रहे सीएम राइज स्कूल का नामकरण भी ज्योतिबा के नाम करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में दो ही महात्मा है, एक महात्मा गांधी व दूसरे ज्योतिबा फुले हैं। उन्होंने नारी शिक्षा के लिए बड़ा कदम उठाया। उनका योगदान और संघर्ष अकेले नारी शिक्षा पर नहीं है, वरन उन्होंने बाल विवाह का विरोध किया और विधवा विवाह का समर्थन किया। उन्होंने किसानों की एक करते हुए उनके हक की लड़ाई लड़ी जिनके बदौलत ही विदेशी शासनकाल में किसानों के लिए कानून बना। रात्रिकालीन शिक्षा के साथ दलित वर्ग के कल्याण के लिए उन्होंने जीवन समर्पित किया, इसलिए वह महात्मा ज्योतिबा कहलाए।

रोहतक। सैनी शिक्षण संस्थान की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की 196वीं जयंती मनाई गई। सैनी पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व मेयर नगर निगम मनमोहन गोयल ने महात्मा ज्योतिबा फुले की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने शिक्षा व समाज सुधार के क्षेत्र में ऊंच-नीच का भेद खत्म किया व सभी को एक समान शिक्षा का अधिकार दिलाया। उन्होंने प्रेम नगर चौक स्थित पार्क में महात्मा ज्योतिबा फुले की विशालकाय मूर्ति लगवाने की घोषणा की। मेयर ने कहा कि शिक्षा लेने का एक समान अधिकार मात्र डिग्री लेना नहीं, बल्कि शिक्षा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करती है। मनोनीत पार्षद राजेश सैनी ने सैनी संस्था में ई-लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए प्रस्ताव भेजने की अपील की। सीएम विंडो के मनोनीत अधिकारी सुरेंद्र माड़ ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के सपनों को सैनी शिक्षण संस्थान पूरा कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावकों के लिए सैनी संस्था वरदान साबित हो रही है। प्रधान धर्म सिंह दहिया ने कहा कि सैनी शिक्षण संस्थाओं का उद्देश्य हर घर-हर बच्चे को शिक्षा देना है। इस मौके पर संस्था के उपप्रधान ओमप्रकाश टिकोरिया, जगदीश कुमार सैनी, सुरेश सैनी, बुधराम सैनी, राजेश सैनी, जयपाल सैनी, नफे सिंह सैनी, श्याम कटारिया, जहूराज सैनी, विनोद कटारिया, अवनीश सैनी, प्रीतम सैनी, करतार सैनी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

सोजत (पाली)। माली समाज द्वारा समाज गौरव, महिला शिक्षा के जनक, समाज सुधारक, सत्यशोधक समाज के संस्थापक, नारी मुक्ति आंदोलन के प्रणेता पूजनीय महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के शुभ अवसर पर जैतारणिया दरवाजा स्थित माली समाज भवन में रक्तदान, जांच शिविर एवं पुष्पांजलि सभा का आयोजन संत शिरोमणि लिखमीदासजी महाराज की पूजा अर्चना एवं महात्मा ज्योतिबा फुले,

माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं समाजके चौधरी मुन्नालाल तंवर, लुंबाराम सांखला, भेराराम पालरिया, ताराचंद सैनी एवं गणमान्य डॉ नंदकिशोर परिहार, पाली जिला माली सैनी संस्थान जिला अध्यक्ष सोहनलाल टाक, डॉक्टर आनंदीलाल भाटी एडवोकेट, सुरेंद्र परिहार, माली शिक्षा प्रचार समिति के अध्यक्ष पदमचंद टाक, कर्मचारी कल्याण संस्था के अध्यक्ष मिश्रीलाल सांखला, हरिकिशन चौहान, गोरधनलाल गहलोत, माणक चन्द टांक, रमेश परिहार आदि द्वारा धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर डॉ आनंदीलाल भाटी ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला। शिक्षा प्रचार समिति के अध्यक्ष पदमचंद टाक ने शिक्षा के क्षेत्र में समाज के बच्चों को ज्योतिबा फु ले के संकल्प को ध्यान में रखते हुए पढ़ाने का आह्वान किया। समाज के चौधरी ताराचंद सैनी ने पुष्पांजलि सभा के माध्यम से फुले दंपति को भारत रत्न की मांग की गई।

शिविर में हुआ 21 यूनिट रक्तदान

समाजसेवी सुरेंद्र परिहार ने बताया कि रक्तदान शिविर में 21 यूनिट रक्त दाताओं द्वारा रक्तदान किया गया। करीबन 85 युवाओं ने ब्लड ग्रुप की जांच करवा कर संकल्प लिया कि आपात कालीन में जरूरत पड़ने पर रक्तदान जरूर करेंगे। पुष्पांजलि सभा के बाद रैली के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम माली समाज की 11 सूत्री मांगों का मांग पत्र उपखंड अधिकारी को सौंपा गया। पाली जिला माली सैनी संस्थान के जिला अध्यक्ष सोहनलाल टाक ने कहा कि समाज में परोपकार के कार्य करने भी अति आवश्यक है महात्मा ज्योतिबा फुले दलितों एवं पिछड़ों के विकास उत्थान की भूमिका में अहम रूप से अग्रणी रहते हुए महान लेखनी भी किया करते थे। समाज के गणमान्य द्वारा सभी ब्लड डोनरों को प्रशस्ति पत्र एवं दुपट्टा से सम्मानित किया गया।

कोटा। किशोरपुरा मंदिर पर राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड कोटा की समस्त कार्यकरणी

व पदाधिकारीयों द्वारा अपने जीवन को सर्व समाज के उत्थान में अर्पण करने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले की मूर्ति के समक्ष दीपक जला कर माल्यार्पण कर जयंती मनायी गयी और महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शो को अपनाते हुए सर्व समाज के उत्थान हेतु तत्परता कार्य से करने की शपथ ली गयी । तत्पश्चात कोटा के राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड और माली समाज सहित एक रैली का आयोजन किया गया जो नयापुरा से शुरू होकर स्टेशन पर जाकर समाप्त हुयी जिसमें शामिल राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड जिला प्रभारी भवानी शंकर सैनी राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड जिला प्रमुख राजू सुमन वरिष्ठ सलाहकार नाथू लाल पहलवान, देवकरण सुमन, कानूनी सलाहकार कुंज बिहारी सुमन एडवोकेट, उप जिला प्रमुख युवराज सुमन मीडिया प्रभारी गिर्राज सैनी संगठन मंत्री संतोष गहलोत सचिव मनीष कुमार सैनी महावीर सुमन नितिन सैनी, देवकांत सैनी, पवन सैनी, मेवालाल जी आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड महिला मोर्चा की ओर से महात्मा ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण करके सभी कार्यकर्ताओं ने पक्षियों के लिए चिलचिलाती धूप से बचने के लिए परिंडे बांधकर उनमें पानी की व्यवस्था की इस दौरान राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड जिला प्रभारी मधुबाला सैनी, जिला अध्यक्ष पूजा सैनी, महासचिव दीपा सुमन वरिष्ठ सलाहकार राधा सैनी, जिला प्रवक्ता श्रुति सैनी, सचिव पायल सुमन, सहित सोनु सैनी,रेखा सैनी,फुला सैनी, सीमा सैनी, राम कंवर सैनी, आदि कार्यकर्ता मोजूद थी।

भोपाल। संयुक्त माली सैनी मरार समाज अध्यक्ष श्री जी पी माली ने बताया कि ज्योतिबा फुले चौक (सात नंबर चौक) पर महात्मा ज्योतिबा फुले जी की 195वीं जन्म जयंती बड़े श्रद्धा के साथ मनाई गई, समाज के अध्यक्ष जी पी माली एवं राधेश्याम माली फूलमाली समाज अध्यक्ष, महासचिव राजेंद्र अम्बाडकर, रामचरण माने द्वारा शिक्षा के जनक महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले जी के मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। समाज सदस्यों मे उपाध्यक्ष गजानन भाटी, डॉ

प्रेमलता सैनी, महासचिव हरिसिंह सैनी, दिनेश सैनी, विट्ठलराव माली, सुखदेव कश्यप, अनिल अचारकाटे, उपाध्यक्ष जगदीश सैनी,राजेंद्र कुमार सैनी, रामनारायण चौहान, घनश्याम राहुल, डश्व छाया सैनी, महेश मात्रे, तीरथराम नागफासे,.भूपेंद्र माली, अशोक सैनी, अमृतलाल माली, प्रेमनारायण सैनी,आदि सभी ने शुभकामनायें एवं बधाई दी, व कार्यक्रम संपन्न होने पर सभी का आभार माना।

वैशाली। आज माली मालाकार कल्याण समिति के बैनर तले जिला इकाई द्वारा महान समाज सुधारक,राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले के 195 वा जयंती समारोह जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार भक्ता के नेतृत्व में जंदाहा प्रखंड के एक निजी सभागार में आयोजित की गई । कार्यक्रम की अध्यक्षता अरविंद कुमार भक्ता एवं अनिल कुमार भक्त के द्वारा संचालन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित बुद्धिजीवी, समाजसेवी, शिक्षित लोगों ने ज्योतिबा फुले के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। एवं उनके जीवनी पर प्रकाश डाला। माली समाज के लोगों ने एक स्वर में केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार से ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने की मांग की ।

चौथ का बरवड़। महात्मा ज्योतिबा फुले के 195 जयंती सोमवार को महात्मा

ज्योतिराव फुले सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में विद्यालय संस्थापक चेयरमैन व जिलाध्यक्ष महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान कन्हैया लाल सैनी की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर वाद-विवाद महात्मा ज्योतिबा फुले पर आधारित निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।

चूरू। जिला सैनी (माली) समाज अध्यक्ष महेश सैनी, भवन समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश सुईवाल, किशन लाल टाक, पूनमचंद गढवाल, भंवरलाल गढवाल, ओमप्रकाश गौड़, सत्यनारायण गौड़, तिलोक कम्पा, रवि गौड़, रामेश्वर लाल गढवाल आदि सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे।

शाजापुर (मध्यप्रदेश)। सामाजिक समानता के पक्षधर, प्रख्यात समाज सुधारक महात्मा जोतीराव फुले की 195 जयंती धूम धाम से मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरुण भीमावद पूर्व विधायक थे। इस अवसर पर श्रीमती राधा वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस, माली अशोक वर्मा, संयुक्त सचिव- ऑल इंडिया सैनी माली सभा मध्यप्रदेश कैलाश सूर्यवंशी, प्रदेश महामंत्री- अपाक्स, राजीव महिवाल, प्रदेश मासचिव (सपाक्स), वरिष्ठ पत्रकार संजय वर्मा, मीडिया सचिव निलेश वर्मा, मीडिया फोटो ग्राफर बंटी भाई, उमा जाटव (जिलाध्यक्ष-अपाक्स) अभिभाषक राजेंद्र राव नेहे (नोटरी एडवोकेट), संगीता जाटव (जिला सचिव-अपाक्स) जितेन्द्र सिंह तोमर, मुकेश चौहान, पुष्पा कदम सहित बडी संख्या में फुले समर्थक उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रवक्ताओं ने महात्मा जोतीराव फुले के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने की शपथ ली।

उदयपुर। महात्मा ज्योतिबा फुले समारोह समिति, सावित्री बाई फुले पर्यावरण एवं शिक्षण संस्थान तथा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संयुक्त तत्वाधान में माली कॉलोनी स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले सामुदायिक भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले की 195 वी जयंती अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह मीणा पूर्व सांसद सीडब्ल्यूसी सदस्य जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा मोतीलाल साखला राष्ट्रीय अध्यक्ष महात्मा ज्योतिबा फुले जागृति मंच के आतिथ्य में धूमधाम के साथ मनाया गया।

जिला कलेक्टर तारांचद मीणा ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि ज्योतिबा फुले के विचार के आधार पर ही डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान की रचना की जिससे आज देश चल रहा है मीणा ने कहा कि संगठन कि जो भी मांग है उसे प्रशासन द्वारा पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा। समारोह के उद्घाटन करता रघुवीर सिंह मीणा पूर्व सांसद (सीडब्ल्यूसी सदस्य) ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले ने समाज में समानता के लिए संघर्ष किया और पुरानी परंपराओं को तोड़कर स्त्री शिक्षा पर विशेष प्रयास किए आज जो महिलाओं का सशक्तीकरण है वह महात्मा ज्योतिबा फुले की ही देन है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मोतीलाल जी साखला राष्ट्रीय अध्यक्ष महात्मा ज्योतिबा फुले जागृति मंच, डॉ भरत वीरवाल, विष्णु डांगी, डॉ नरेश पटेल, श्याम चौधरी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए इस अवसर पर अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के सभी अध्यक्षों को महात्मा ज्योतिबा फुले विशिष्ट सम्मान देकर सम्मानित किया।

महात्मा फुले जयन्ती पर रक्तदान एवं शोभायात्रा का आयोजन

अजमेर।महात्मा ज्योतिबा फुले की 195 वीं जंयती पर दो दिवसीय कार्यक्रमों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर मे 55 युनिट रक्त संग्रह हुआ, विशाल वाहन रैली, आतिशबाजी, सम्मान समारोह हुए। 10 अप्रैल रविवार को महात्मा ज्योतिबा फुले कि 195वीं जंयती के अवसर पर दो दिवसीय आयोजन मे आज स्वैच्छिक रक्तदान

शिविर, मालियान सैनी पब्लिक स्कूल 9 नं.पेट्रोल पंप भजनगंज, अजमेर पर आयोजन हुआ। इसमे जवाहरलाल नेहरू अस्पताल व जनाना अस्पताल की डाक्टरो की टीम ने सेवाएं दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों व संस्थान के पदाधिकारियों के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले व माता सावित्री बाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

जगदीश दग्दी ने 52 वी बार रक्तदान किया उनको मेडल पहनाकर स्वागत किया। इसी प्रकार पार्षद नरेन्द्र तुनवाल ने 34 वी बार रक्तदान दिया। सबसे पहले रक्तदान करने वाली मे अशोक तंवर, रजनीश चौहान, दिलावर चौहान, मनोहर भाटी, निकेश बबेरवाल ,राहुल भाटी ने शुरुआत की। रक्तदान शिविर मे रक्तदान करने वालो को पानी की बडी बोटल, प्रमाणपत्र, माला पहनाकर सम्मानित किया गया। महिलाओ मे श्रीमति सपना सैनी ने रक्तदान दिया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि पूर्व मेयर धर्मेन्द्र गहलोत थे, इसके अलावा तिलोक चन्द इंदौरा, चेतन सैनी, टीकम चन्द टांक, धीसू गढवाल, नेमीचन्द बबेरवाल, शारदा मालाकार, रानु सांखला, पूनम तंवर, बबीता चौहान मोजूद रहे। मंच का संचालन कन्हैयालाल सांखला ,विपिन सोलकी, मुकेश अजमेरा ने किया।

कार्यक्रम मे माली (सैनी) संस्थान, अजमेर के अध्यक्ष राजेश भाटी ,प्रदीप कच्छवा, किशोर भाटी, रमेश उवाना,राजेश गढवाल, डा.पी.आर परिहार, मोहन लाल उवाना, सुनिल गहलोत, मनीष टांक, महेश तंवर, घर्मेन्द्र चौहान,अरविंद सिसोदिया, डा. जितेंद्र मारोठवा, डा. योगेन्द्र सैनी,इत्यादि उपस्थित होकर सेवाएं दी।

दो दिवसीय जयंती कार्यक्रम मे दूसरे दिन सुबह 10 बजे अजमेर कलेक्टर कार्यालय के सामने महात्मा ज्योतिबाफुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि कार्यक्रम मे दोनों राजनैतिक पार्टियों के बडे-बडे नेताओं ने शिरकत की! सभी उपस्थित जनसमूह ने महात्मा ज्योतिबाफुले अमर रहे....अमर रहे.. जब तक सूरज चाँद रहेगा... बाबा तेरा नाम रहेगा..... के नारो से सर्किल गुंजयमान हो गया। सभी वक्ताओ ने फुले दम्पत्ति को 'भारत रत्न' दिलाने की मांग की गयी।

शाम को 5.00 बजे भव्य विशाल वाहन रैली निकाली गयी। वाहन रैली लक्ष्मी गार्डन, धोलाभाटा से शुरू होकर नी नम्बर पैटोल पंप, नगरा, मार्टिन ब्रिज, केसरगंज, पडाव, मदारगेट, चुडी बाजार, नया बाजार, आगरा गेट, सुचना केन्द्र चौराहा, अम्बेडकर सर्किल होते हुये महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पहुकर समाप्त हुई। वाहन रैली विभिन्न झाकियों से सुसज्जित थी। जगह-जगह वाहन रैली का पुष्पो से, स्वागत गेट तथा अल्पाहार से स्वागत व सम्मान किया गया। शाम 07.00 बजे 2100 सी दिपक प्रज्ज्वलित किये, बैण्ड-बाजो, शहनाई, ढोल-डमाको से महाआरती व प्रसाद वितरण किया गया! 8.00 बजे आसमान मे भव्य आतिशबाजी की गई। सर्किल पर ही फुले-दम्पती पर विचार-गोष्ठी रखी गई व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस तरह अजमेर वासियों ने दो दिवसीय महात्मा ज्योतिबाफुले जयंती मनाई गयी इसमें पुनम चन्द मारोठिया, महेश चौहान,महेन्द्र जादम, नवीन कच्छवा, नेमीचन्द बबेरवाल, सुनिता चौहान, महावीर चौहान, भागचन्द सांखला, हेमराज सिसोदिया, हेमराज खारोलिया, माखनलाल मारोठिया, गोपी किशन जादम, मेवालाल जादम, भूपेन्द्र चौहान, विरेन्द्र चौहान, हेमेन्द सिसोदिया महिलायें व बच्चे उपस्थित थे।

देश के प्रत्येक राज्य का वर्णन दोहों एवं चौपाईयों एवं कविता के माध्यम से ऑन लाइन करने का अनूठा प्रयास

अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच की संस्थापिका डॉ. ममता सैनी ने बनाएं 3 विश्व किर्तिमान

नई दिल्ली। तीन विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के बाद अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच की संस्थापिका डॉ ममता सैनी ने एक अप्रतिम काव्य अनुष्ठान भारत को जानें के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स- द्वारा इस कार्यक्रम के दृश्य श्रव्य संग्रह (ऑडियो वीडियो अलबम) को कीर्तिमान से अलंकृत किया गया है। इस कार्यक्रम ने भारत के प्रत्येक राज्य की विशेष जानकारियों को रुचिकर रूप में जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया। इस काव्य महोत्सव के अंतर्गत 23 अक्टूबर से 30 नवम्बर तक 37 दिनों प्रतिदिन एक काव्य कार्यक्रम में भारत के एक राज्य का वर्णन दोहों और चौपाइयों के माध्यम से किया गया। हिन्दी और क्षेत्रीय भाषा में राज्य महिमा काव्य प्रस्तुति भी रही। अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच की संस्थापिका डॉ. ममता सैनी (तंजानिया) ने ईश्वर का धन्यवाद किया और अपने पति सीए राकेश सैनी का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उन्होंने इस कार्यक्रम के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पहले सभी प्रदेशों एवं केंद्र शासित प्रदेशों पर रचनाकारों की रचनाओं का भारत को जानें रचना प्रस्तुति कार्यक्रम में आभासी पटल अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच पर 37 दिनों तक रचनाकारों द्वारा लाइव प्रस्तुतीकरण किया गया। भारत को जाने परियोजना का एकमात्र उद्देश्य समस्त भारत के विषय में जन-जन को जानकारी प्रदान करना है,जिसके लिए इस आयोजन को आयोजित रचने का विचार किया गया, जिसमें भारत के सभी प्रदेशों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को विषय बना कर भारत के लिए दोहे और चौपाई छंद में 278 रचनाकारों द्वारा महाकाव्य का निर्माण किया गया। इसके अतिरिक्त उन सभी साहित्यकारों की प्रतिभा को सामने लाने के लिए आभासी पटल द्वारा रचनाओं का प्रस्तुतीकरण भी किया गया ' भारत को जानें' परियोजना में सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों पर रचनाएँ लिखी गई हैं। रचनाएँ हिन्दी भाषा में दोहे तथा चौपाई छन्द में लिखी गई है। जिसके लिए हर राज्य की जानकारी को 7 वर्गों में विभाजित किया गया है। चूंकि दृश्य श्रव्य माध्यम किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए उत्तम माध्यम है, इसलिए इस सभी रचनाओं का गायकों द्वारा अलग अलग धुन पर ट्रैक तैयार किया गया। अब्दुल आरिफ खान और वंदना शर्मा द्वारा सभी 7 वर्गों की 7 अब्दुल आरिफ खान और वंदना शर्मा के साथ डॉ अंजलि बजाज, विक्की प्रसाद, रुखसार खान और मानसी प्रधान ने सभी राज्यों के लिए 259 ऑडियो का निर्माण किया। इसके अलावा सभी राज्यों के 39 गीतों के गीतकार, संगीतकार और गायकों की मुख्य भूमिका रही। इस आयोजन में भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों से रचनाकारों, राज्य समन्वयकों, तथ्य सुधारकों, गायकों, वीडियो निर्माता, कार्यक्रम संचालकों आदि के रूप में 466 प्रवासी और निवासी भारतीयों ने प्रतिभागिता की पद्मश्री अनूप जलोटा, पद्मश्री डॉ अशोक चक्रधर, उच्चायुक्त बिनाया श्रीकांत प्रधान, हास्य कवि पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा, निदेशक संतोष जी. आर, चमंडी लाल अग्रवाल, डॉ सोम ठाकुर, कवि आदिल रशीद, श्रीमति निवेदिता झा, डॉ शिव ओम अंबर, कवि पंकज शर्मा, कवि सलीम जावेद, कवि लक्ष्मी शंकर बाजपेयी, श्री सौरव गुर्जर, कवि सुदीप भोला, श्री जनार्दन पांडे, कवि डॉ सुरेश अवस्थी, डॉ. भगवत स्वरूप 'शुभम', डॉ. राम मेही लाल शर्मा यायावर, श्री सुशील भारती, श्री संग्राम सिंह, डॉ. मृदुल कीर्ति, डॉशेल अग्रवाल, डॉ. अखिलेश मिश्रा जी, कवि अरुण जैमिनी, श्रीमति समीक्षा शर्मा, डॉ हरीश नवल, डॉ मंजरी पाण्डेय बनारसी, पंडित सुरेश नीरव, कवयित्री डॉ. कीर्ति काले, कवि सौरभ जैन सुमन, आशीष कंधवे, श्री प्रशांत इंगोले, कवि बुद्धिप्रकाश, कवि डॉ. दिनेश रघुवंशी, सरदार मंजीत सिंह, श्री अखिलेंद्र मिश्रा जैसे भारत के विभिन्न विशिष्ट व्यक्तित्व इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिन्होंने प्रत्येक राज्य के वीडियो एल्बम का वर्चुअल माध्यम से विमोचन किया।

अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच के मार्गदर्शक एवं मुख्य सलाहकार सीए. अजय गोयल (तंजानिया) ने बताया कि इस काव्य अनुष्ठान को अन्य विश्व कीर्तिमानों में सम्मिलित किए जाने की प्रक्रिया प्रगति में है।

भारत के सभी प्रदेशों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को विषय बना कर भारत के लिए दोहे और चौपाई छंद में रचित महाकाव्य के वीडियोज को विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मस पर प्रसारित कराया जाना और ग्रन्थ का प्रकाशन कराके देश विदेश के विभिन्न पुस्तकालयों में शामिल कराया जाना है, ताकि यह आने वाली पीढ़ी के लिए ज्ञान का स्रोत बने।

अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच की मुख्य सहयोगी सारिका फलोर (केन्या) ने सभी रचनाकारों, राज्य समन्वयको, त्रुटि सुधारकों, गायक गायिकाओं, वीडियो निर्माताओं का आभार व्यक्त किया। अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच के अन्य सभी सहयोगीगण राकेश कुमार सैनी (तंजानिया), शिल्पी बिसारिया (केन्या), ललिता माथुर चौहान (तंजानिया), जितेंद्र भारद्वाज (तंजानिया), विनीता श्रीवास्तव (भारत), गोविन्द गुप्ता (भारत), वन्दना राज (कतर), विकास मित्र (भारत), शंभु पवार (मॉडिया प्रभारी, भारत) ने भी आयोजन को कीर्तिमान प्राप्त होने के अवसर पर आयोजन से जुड़े सभी प्रतिभागियों को बधाइयाँ दीं। हमें समाज की अंतराष्ट्रीय काव्य प्रेमी डॉ. ममता सैनी पर गर्व है आपने देश विदेश में भारत के साथ ही समाज को गौरवान्वित किया है।

नाम : डॉ. ममता सैनी (वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर)
शिक्षा : एम.सी.ए., एम.बी.ए, बी.एड., पीएच.डी. कंप्यूटर साइंस
पुरस्कार : गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड, यू के, इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड द्वारा चार विश्व कीर्तिमान से सम्मानित
कार्य : कवयित्री, लेखिका, मंच संचालिका और कंप्यूटर साइंस अध्यापिका
जन्म : हरियाणा (भारत)
निवास : दिल्ली (भारत)
वर्तमान : तंजानिया (पूर्वी अफ्रिका)
पति : सी. ए. राकेश कुमार सैनी

संस्थापिका :
1. 'हिंदी है हम' अंतरराष्ट्रीय हिंदी साहित्य मंच
2. अंतरराष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच
3. इंटरनेशनल टैलेंट हब

प्रकाशन :
साझा संकलन -
पहली महिला
भारत के इक्कीस परमवीर
भारती के लाल
कस्तूरी सुगंध
भारत को जानें (प्रकाशन में)

विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन
उपलब्धियाँ : चार विश्व कीर्तिमान से सम्मानित
उद्देश्य : हिंदी का परचम पूरे विश्व में लहरे।

महात्मा फूले के आदर्शों को आत्मसात करती अमिता सैनी माता सावित्री बाई फूले के पद्चिन्हों पर चल रही है।

खुद अभावों में की पढ़ाई, व्याख्यता बनते ही अब दो बच्चों का सालाना पढ़ाई और अन्य व्यय खुद उठा रही अमिता सैनी

जालोर निवासी अमिता सैनी की अनूठी पहल बच्चों के लिए सुपुर्द की पहली तनख्वाह, माता है आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और पिता का साया बचपन से ही सिर से उठ चुका

जालोर। शिक्षा केवल संस्कार ही नहीं विकट हालातों में संघर्ष करने का बूता भी सीखाती है। इसी तरह का एक अनूठा उदाहरण जालोर की व्याख्यता बेटी अमिता सैनी ने दिखाया है। खुद अभावों में जूझते हुए अध्ययन पुरा किया और संयोग ऐसा बना कि आज उसी स्कूल में व्याख्याता है जहां पर उसने कभी अध्ययन किया था। जालोर की अमिता सैनी ने अभावों में अध्ययन पूरा किया। वह दिन भी आया कि कड़े संघर्ष के बाद राजकीय हायर सैकण्डरी स्कूल में बतौर व्याख्याता सेवा का अवसर मिला।

पहली सेलेरी को लेकर उसे भी खुशी और उत्साह था, चुंकि खुद परेशानी और आभावों को झेल चुकी थी तो उसने पहली सैलेरी उन अभावग्रस्त बच्चों के नाम कर दी, जो शिक्षा की मुख्य धारा से किसी कारण से दूर रह जाते है।

नहीं हारा हौंसला

अमिता जब आठवीं में पढ़ रही थी, तब बचपन में ही पिताजी का देहांत हो गया था। मां रामबाई ने आंगनवाड़ी केंद्र पर काम करते हुए बच्चों की शिक्षा को जारी रखा। उच्च शिक्षित किया और बीएड करवाई। वर्तमान में रामबाई के दोनों बच्चे शिक्षक है।

संघर्ष ने ही बढ़ाया सफलता की ओर

अमिता वाणिज्य व्याख्यता परीक्षा ओबीसी वर्ग में राजस्थान में प्रथम स्थान पर रही है। अमिता ने बताया कि गली में कचरा बीनने वाले एवं प्रतिदिन भोजन मांगने आने वाले बच्चों को देखकर उनके जीवन को संवारने का संकल्प मन ने लिया और इसी अनुरूप अपनी पहली सैलेरी इन बच्चों की शिक्षा पर खर्च कर दी।

पिता का साया उठा तो मां बनी मददगार

अमिता के सिर से पिता का साया बचपन में ही उठ गया, लेकिन मां रामबाई ने विकट हालातों में भी अपनी बेटी को पढ़ाया। वे खुद जालोर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है। अमिता ने स्कूल व्याख्यता बनने के बाद परिवार में खुशी का माहौल था और फिर वह दिन भी आया जिसका हर सरकारी सेवा के कार्मिक को इंतजार रहता है। पहली सेलेरी 30हजार रूपए मिले तो उसने वह तनख्वाह घुमन्तू बच्चों की पढ़ाई के लिए खर्च कर दी है।

इन बच्चों के लिए मददगार बनी अमिता

घुमंतू बच्चे वे बच्चे है जिनके माता-पिता का कोई स्थाई आश्रय नहीं होता है और वे अपने अभिभावकों के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमते रहते है। ऐसे में उन बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। इन घुंमतू परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए जालोर में एक छात्रावास संचालन हो रहा है। व्याख्यता अमिता सैनी ने अपने पहले वेतन से घुमंतू परिवारों के दो बच्चों के 1 साल रहने और शिक्षा का संपूर्ण खर्च स्वयं उठाने का निर्णय किया है और एक नई शुरूआत कर दी।

अखिल भारतीय माली सेवा सदन पुष्कर के चुनाव में ओमप्रकाश सांखला अध्यक्ष निर्वाचित

पुष्कर। अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा संस्थान के अध्यक्ष पद के लिए संस्थान के पुष्कर मुख्यालय पर संपन्न हुए !चुनाव में बिदियाद (मकराना) के ओम प्रकाश सांखला अपने इकलौते प्रतिद्वंदी पुष्कर के बाबूलाल दग्दी को 627 मतों से हरा कर विजयी हुए।

चुनाव के लिए सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मतदान हुआ। जिसमें कुल 4 हजार 219 मतदाताओं में से 1558 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के तत्काल बाद मतगणना देर रात तक की गई। जिसमें ओम प्रकाश सांखला को 1091 और बाबूलाल दग्दी को 464 वोट मिले। तीन मत खारिज हुए। चुनाव परिणाम घोषित होने के साथ ही सांखला के समर्थकों में खुशी की लहर छा गई। पहली बार माली समाज की सबसे बड़ी संस्थान के चुनाव मतदान द्वारा कराये जाने को लेकर समाज में भारी उत्साह था। चुनाव मतगणना स्थल पर देश के कोने-कोने से आये माली समाज के हजारों लोगों का हुजुम मेले जैसा मौहल बना रहा था। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय पुलिस भी मुस्तेद रहकर व्यवस्थाओं को संभाल रही थी। मुख्य चुनाव अधिकारी मुकेश अजमेरा, सहायक चुनाव अधिकारी कैलाश चौहान, जितेन्द्र मारोठिया, दिनेश तुंदवाल, सुरेन्द्र भाटी, भाग चन्द्र पंवार, माखन लाल मारोठिया, प्रदीप कच्छावा को समाजबंधुओं ने निष्पक्ष चुनाव व शांतिपूर्व मतदान कराने के लिए सभी को धन्यवाद सहित आभार व्यक्त किया। ओम प्रकाश सांखला को जैसे ही निर्वाचित घोषित किया वैसे ही माली समाज धर्मशाला के बाहर जयघोष के नारे लगाते हुए लोगों ने सांखला को अपने कंधो पर उठाकर जुलुस निकालते हुए चुनाव कार्यालय पर ले जाकर उनका मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर समाज को संबोधित करते हुए सांखला ने कहा कि जीवन में समाजसेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं है। समाज के प्रत्येक नागरिक को अपने सामाजिक एवं पारिवारिक दायित्वों के साथ-साथ समाजसेवा के लिए भी समय अवश्य निकालना चाहिए। समाज के गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं उनके उत्थान के साथ-साथ पुष्कर स्थित माली समाज की धर्मशाला ओर बेहतर बनाने के लिए हम हमेशा प्रयासरत रहेंगे। मतदान के लिए राजस्थान के विभिन्न शहरों के अलावा दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात से समाज बंधु पुष्कर पहुंचे। इस अवसर पर महात्मा फूले राष्ट्रीय जागृति मंच के अध्यक्ष मोतीलाल सांखला, संस्थान के संरक्षक सेवाराम दगदी, अश्वल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय सचिव ताराचंद गहलोत, महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का सैनी, महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल लाल माली, संगठन मंत्री कन्हैयालाल माली, तोताराम सांखला, मंगलप्रसाद चौहान, मीठुलाल सतरावला, प्रहलाद गहलोत सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व समाज के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

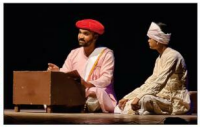

महात्मा फुले द्वारा लिखित नाटक ''तृतीय रत्न'' अंधविश्वास की पगड़ी को हटाने में बहुत उपयोगी और प्रभावी होगा - छगन भुजबल

यह बात महात्मा फुले द्वारा लिखित नाटक 'तृतीय रत्न' महात्मा ज्योतिबा फुले, महाराष्ट्र सरकार और नासिक डिवीजन ऑफ रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (महाज्योति) की ओर से नासिक के कालिदास कलामंदिर नाट्यगृह में प्रस्तुत किये आयोजन में कही। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि पूर्व में बहुजन समाज के नागरिकों को शिक्षा का अधिकार नहीं था। महात्मा फुले ने कहा है, 'धर्म, राज्य, भेदभाव मानव नहीं होना चाहिए, सत्य के लिए मनुष्य में कोई भेदभाव नहीं है और सभी मनुष्य समान हैं।' हर कोई हर चीज का आनंद लेने के अधिकार के साथ पैदा हुआ है, और मानवता ही मानव जाति का एकमात्र धर्म है। इन विचारों को सभी को अपनाना चाहिए। महात्मा फुले की लड़ाई अवांछनीय मानदंडों और परंपराओं के खिलाफ थी। महात्मा फुले की पत्नी सावित्रीबाई फुले को भी समाज के उत्थान के लिए सम्मानित किया गया। शाहू महाराज को महात्मा फुले के विचार विरासत में मिले और उन्होंने आरक्षण दिया, जबकि डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ने इसे भारतीय संविधान में सही आकार दिया है। इस तरह के विचार संस्था के संरक्षक मंत्री छगन भुजबल ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि महात्मा जोतिराव फुले एक नाटककार भी थे। उनके द्वारा लिखा गया तीसरा रत्न मराठी में पहला नाटक है और यह समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए लिखा गया पहला नाटक था। फुले, साहू और अंबेडकर की विचारधारा धर्म के खिलाफ नहीं बल्कि अन्याय के खिलाफ थी। महात्मा फुले ने कभी ब्राह्मणों का विरोध नहीं किया, लेकिन उन्होंने हमेशा ब्राह्मणवाद का विरोध किया। छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना में भी समाज में हर जाति और धर्म के लोग थे। और उनकी लड़ाई भी अन्याय के खिलाफ थी। इन सभी महापुरुषों का कार्य आज भी हमारा मार्गदर्शन कर रहा है। वर्तमान में धर्म के नाम पर राजनीति शुरू हो गई है। हर प्राणी जो पैदा होता है वह एक इंसान होता है लेकिन फिर वह धर्म और जाति व्यवस्था में फंस जाता है। उन्होंने कहा कि महाज्योति द्वारा शुरू किया गया कार्य मनुष्य की मानवता को बनाए रखने के लिए बहुत ही आदर्श है और महाज्योति का लक्ष्य अवश्य ही प्राप्त होगा।

राजस्थान दिवस, महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती व डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर अजमेर के प्रदीप कुमार कच्छावा को समाज-सेवा के लिए पुरस्कारों से सम्मानित

अजमेर। अजमेर के उर्जावान समाज सेवी सभी वर्गो के दुख सुख मे निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले मिलनसार व्यक्तित्व के धनी प्रदीप कच्छवाह को जयपुर मे राष्ट्रीय ज्योति फूले संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित किया। इससे साथ ही कलेक्टर सभागार मे संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के 131 वे जन्मदिन पर राजस्थान सरकार सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग, अजमेर के द्वारा जिला स्तर पर वर्ष 2022 के जिले मे अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक क्षेत्र मे उत्थान हेतू किये गये उल्लेखनीय कार्यो हेतू ष्अम्बेडकर सामाजिक सेवाष पुरस्कार स्वरुप प्रशस्ति- पत्र एंव बाबा का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व 30 मार्च 2022 को 'राजस्थान दिवस' पर फ्रीडम-2 साईकिलिगं एंव वाक कैम्पेन मे अजमेर स्मार्ट सिटी मे पहले 'पायदान' पर आने पर प्रतिभागियों के रूप मे प्रदीप कुमार कच्छवाह को प्रमाण-पत्र व काफी-मग पुरस्कार अजमेर जिला कलेक्टर अंशदीप, अजमेर रेंज के आई.जी रूपेन्द सिंह, उप महापौर, अजमेर नीरज जैन की उपस्थिति मे चौपटी आनासागर, अजमेर पर दिया गया था। माली सैनी संदेश पत्रिका परिवार प्रदीप कच्छवाह को हार्दिक बधाई प्रेषित करता है। आप पिछले 15 वर्षो से माली सैनी संदेश पत्रिका के अजमेर संभाग सामाजिक समाचारों एवं कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करने में भी अपनी महत्ती भूमिका निभा रहे है। हम आपको हार्दिक बधाई प्रेषित करने के साथ ही आपके नि:स्वार्थ भाव से किए जा रहे सामाजिक उत्थान के कार्यो के लिए अभिनंदन करते है।

बोरुंदा कस्बे में माली समाज के चुनाव हुए संपन्न बक्साराम कच्छावाह बने माली समाज के अध्यक्ष

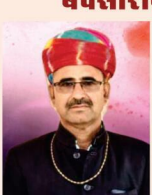

बोरुन्दा. कस्बे में रविवार को माली समाज की बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मति से पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर बक्साराम कच्छावाह को मनोनीत किया गया। वहीं समाज में शिक्षा को बेहतर करने को लेकर कोचिंग सेंटर बनाने के लिए स्वजातिय बंधुओं ने लाखों रुपए का सहयोग किया।

कस्बे के बस स्टैंड स्थित माली समाज भवन में समाज की सार्वजनिक बैठक रखी गई। जिसमें समाज के करीब 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। समाज के विभिन्न मुद्दों को लेकर बैठक की चटपटी शुरुआत हुई। जिसमें रूठने और मनाने का दौर चला। वही दोपहर बाद सभी लोगों की सहमति से बैठक दोबारा शुरू हुई जिसमें सभापति भगवान राम भाटी को मनोनीत किया गया। जिसमें सभापति की अनुमति से अपने विचार व्यक्त करने का प्रस्ताव रखा। सभी लोगों ने सभापति की अनुमति से अपने अपने विचार व्यक्त किए। तथा शाम तक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं सचिव के पदों के लिए सर्वसम्मति से नामों की घोषणा की गई। इन पदों के लिए केवल एक ही व्यक्ति का नाम सर्वसम्मति से सामने आया। करीब 20 मिनट तक सभी लोगों की सहमति मिलने पर बोरुंदा माली समाज के अध्यक्ष के पद पर बक्साराम कच्छवाह, उपाध्यक्ष रमेश भाटी, कोषाध्यक्ष मोहनलाल गहलोत व सचिव पद के लिए भीरदाराम टाक को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष बीआर कच्छवाह ने कहा कि शिक्षा से ही समाज व देश को विकसित बनाया जा सकता है इसके लिए शिक्षा को अधिक से अधिक बेहतर बनाने के लिए समाज को सामूहिक रूप से प्रयास करने व उसमें सहयोग करने का आह्वान किया।

निःशुल्क सामाजिक कोचिंग सेंटर खलेगा माली समाज :

भवन के ऊपर लाखों रुपए के अनुदान से विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए तैयारियों को लेकर युवाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग सेंटर का निर्माण करवाया जाएगा।

शिक्षा के लिए लाखों रुपए का अनुदान :

माली समाज की नई कार्यकारिणी के गठन के बाद माली समाज के करीब 100 स्वजातीय बंधुओं ने 5लाख 60 हजार रोकड़ प्रदान किए गए। निःशुल्क कोचिंग सेंटर के लिए लैपटॉप, कंप्यूटर, कूलर, फर्नीचर, लाइट फिटिंग, आरो, फोटो कॉपी मशीन, कुर्सियां, वाइट बोर्ड सहित कई आवश्यक सामग्री के लिए करीब डेढ़ लाख से अधिक की घोषणा की गई।

इस दौरान समाज के पूर्व अध्यक्ष झमरलाल गहलोत, लुंबाराम गहलोत, मादुराम भाटी, अशोक कुमार गहलोत, रामरख भाटी, अशोक भाटी, लक्ष्मण भाटी, महेंद्र भाटी, किसनाराम कच्छावाह, बंसीलाल भाटी, जेनाराम, बुधाराम, कैलाश गहलोत, भीकाराम, दिनेश माली, महेंद्र सांखला, रामनिवास देवड़ा, माणक सांखला, सोहनलाल टाक, सुगनाराम, रेवतराम देवड़ा, नरेंद्र टाक, राजू भाटी, सोहन लाल, हिमताराम, धर्माराम, जवान राम, गोविंद राम, प्रकाश गहलोत सहित सैकड़ों सो जाती बंधुओं ने बैठक में भाग लिया।

सर्व सहमति से सकल पंच फूल माली समाज अध्यक्ष बने गोपाल

सांरगपुर। सकल पंच फल माली समाज की एक अहम बैठक श्री राम मंदिर मुकेरवाड़ी में रखी गई जिसमें सकल पंच फूल माली समाज अध्यक्ष सारंगपुर के लिए विचार विचार विमर्श किया गया जिसमें सर्वसम्मति से गोपाल पुष्पद खारिया को सकल पंच फूल माली समाज का अध्यक्ष बनाया गया, श्री पुष्पद की समाज अध्यक्ष नियुक्ति होने पर उपस्थित समाज जनों ने साफा एवं पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व सकल पंच फूल माली समाज अध्यक्ष संतोष पुष्पद ,रामचरण पुष्पद, कौड़ी पंचायत अध्यक्ष प्रेम नारायण पुष्पद, मुकेर वाडी पंचायत अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद रंगेरवाड़ी पंचायत अध्यक्ष कैलाश वर्मा, भेरु दरवाजा पंचायत अध्यक्ष हीरालाल पुष्पद, खरिया पंचायत अध्यक्ष मदनलाल पुष्पद, वेभव पुष्पद, भेरूलाल बिजवा, फूल माली समाज के प्रवक्ता लोकेश पुष्पद, धन सिंह पुष्पद सुरेश पुष्पद डॉ पवन पुष्पद भेरूलाल बिजवा पूर्व खरिया पंचायत अध्यक्ष अशोक पुष्पद राजेश पुष्पद महेश पुष्पद कमल पुष्पद शिवनारायण गोरी लाल पुष्पद राम पुष्पद सुनील पुष्पद अनुज पुष्पद ,मनोज पुष्पद गंगाराम पुष्पद, राकेश पुष्पद राजेश पुष्पद, बंसी पुष्पद मंगेश पुष्पद सत्यनारायण पुष्पद श्याम पुष्पद सुनील पुष्पद देव नारायण राम नारायण पुष्पद जितेंद्र पुष्पद किशोर पुष्पद, कार्तिक पुष्पद, अजय पुष्पद, धीरज पुष्पद, कमलेश पुष्पद, रवि सर, धर्मेंद्र पुष्पद, जीवन पुष्पद, संतोष सब्जी, योगेश पुष्पद, आंकित पुष्पद, सुनील पुष्पद सहित भारी संख्या में फूल माली समाज की युवा कार्यकर्ता मौजूद थे।

4 बेटों ने दादी के 95वें जन्मदिन और माता पिता की 45वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर सर्व समाज की 7 बेटियों की करवाई शादी

उपहार एवं नकद दे पिता का सपना किया पूरा, रिश्तेदारों एवं ग्रामीणों ने भी किया सहयोग

जोधपुर। चौखा नयापुरा के मांगीलाल सांखला कोरोनाकाल में जब बीमार हुए तो उन्होंने अपने 4 बेटों को जरूरतमंद बेटियों का कन्यादान करने की इच्छा जताई थी। हालांकि वे अपनी बेटियों गुड़िया, किरण, अनिता और नर्बदा की शादी कर चुके थे, मगर वे समाजसेवा के साथ पुण्य का काम करना चाहते थे। मांगीलाल के इस सपने को उनके बेटों ट्रक मैकेनिक मुकेश, प्रकाश, शैतानसिंह और रामसिंह ने पूरा किया। इसके लिए उन्होंने अवसर चुना पिता मांगीलाल व माता सोनी देवी की 45वीं मैरिज एनिवर्सरी और दादी बसंती देवी के 95वें जन्म दिन का। 13 अप्रैल को अपने निवास पर ही घृतपान व बंदौली और 14 अप्रैल को बारात व भोजन का आयोजन किया। शहर की सात जरूरतमंद परिवार की बेटियों के धूमधाम से पीले हाथ करने की गांव में चर्चा है। चंपा सोलंकी-सुरेश पंवार, रेणु सोलंकी-पवन बीरा, कोमल वैष्णव-हरीश विष्ण स्वामी, मनीषा वैष्णव-वासुदेव निंबावत, प्रियंका देवी-हरीश कुमार आचार्य, प्रियंका आचार्य-नरेश आचार्य, सरोज आचार्यचेतन आचार्य यानी इन सात जोड़ों का विवाह किया गया। सात बेटियों का कन्यादान कर मांगीलाल को अपना सपना पूरा होने का सुकून है। जरूरत का सामान, नकदी, जेवर व उपहार दिए हर जोड़े को आधा तोला सोना, दस तोला चांदी, चार जोड़ी पोशाक, एक तुलसी और एक केले का पौधा यानी 70 हजार का उपहार दिया। इनके भाव को देख चौखा व नयापुरा ग्रामवासियों के अलावा इनके रिश्तेदारों में भी जोश आ गया और प्रत्येक जोड़े को कुल 60 हजार का कैश व गिफ्ट भी दिया। संभवत ऐसा आयोजन प्रथम बार ही चौखा गांव में आयोजित हुआ है। हम सभी सांखला परिवार का बारम्बार अभिनंदन एवं आभार प्रकट करते है। आपके द्वारा सेवा के इस अनुकरणीय कार्य हेतु समाज के सभी वर्गो की और से अनेकों अनेक शुभकामनाएं साथ ही श्रीमती बंसती देवी के दिर्घायु स्वस्थ जीवन की कामना करते है और श्रीमती सोनी देवी एवं श्री मांगीलाल जी सांखला को वैवाहिक वर्षगांठ की मंगलकामनाएं।

चोमूं में 21 जोड़े तो सवाई माधोपुर में 68 जोड़ो ने थामा एक दूसरे का हाथ

सवाई माधोपुर। सैनी (माली) समाज के जिला अध्यक्ष सी.एल. सैनी के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सैनी समाज गोठ बिहारी खंडार द्वारा आयोजित हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर वर वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। इससे पहले सैनी समाज खंडार के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष का अभिनंदन किया। इस अवसर पर सैनी ने कहा की सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजनों से ना केवल आज के युग में शादी समारोहों पर होने वाली फिजूलखर्ची पर लगाम लगती है बल्कि ऐसे विवाहों के आयोजन से वर एवं वधू को सम्पूर्ण समाज का शुभ आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। उन्होंने बेटियों को पढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि समाज को व्यापार के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। जिला अध्यक्ष ने सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के साथ मिलकर सभी 63 जोड़ो के साथ ही बारातियों को भोजन करवाया एवं उनके खुशहाल वैवाहिक जीवन की मंगल कामनाएं की। इस अवसर पर काडू पार्षद, रामनिवास चुनाव अधिकारी, दिनेश चिरौली, बत्तीलाल खाद बीज, राजेंद्र युवा नेता, भरतलाल, जमनालाल बामनवास, प्रहलाद सैनी बश्वली, भागचंद सैनी, रामकुमार सैनी, जितेंद्र सुखवास, लटूर पूर्व सरपंच, लड्डू सरपंच, नवल सरपंच, रामदयाल सरपंच, घासी सरपंच, रामकरण सैनी, रामकेश जाट बड़ौदा, कालूराम सलारपुर सहित सैनी समाज के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

चौमूं। शहर में रामनवमी के अबूझ सावे पर सैनी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। सैनी समाज विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित 15 वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। इस मौके पर चौमूं के आदर्श विद्या मंदिर से 21 दूल्हों की बारात रवाना हुई जो मुख्य मार्गो से थाना मोड़, बस स्टैंड होते हुए रींगस रोड स्थित सैनी समाज विवाह स्थल पहुंची। इस दौरान जगह-जगह ड्रोन द्वारा गुलाब के फूलों से पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया गया। इस मौके पर समाज के सैकड़ों गणमान्य लोगों ने नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। सैनी समाज विकास समिति अध्यक्ष दिनेश कुमार सैनी ने बताया कि हर वर्ष रामनवमी के मौके पर सैनी समाज विकास समिति के तत्वावधान में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाता हैं। और अब तक 500 से ज्यादा जोड़ों का विवाह विवाह संपन्न हो चुका है। सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 21 दुल्हे घोड़ी पर सवार ढेकर विवाह स्थल पहुंचे। इस दौरान बैंडबाजों की धुन पर बाराती डांस करते हुए नजर आए और इस दौरान बारात में सैकड़ों पुरुष, महिलाएं शामिल हुए। नवविवाहित जोड़ों को सामूहिक विवाह सम्मेलन में सैनी समाज विकास समिति व भामाशाहों की ओर से उपहार के तौर पर गिफ्ट भेंट किए गए। और अतिथि में भामाशाह ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देकर मंगल आयु की कामना की। इस मौके पर नगरपालिका चेयरमैन विष्णु सैनी, समाजसेवी श्रवण करोडिया, एमजेएफ ग्रुप चेयरपर्सन कैलाशराज सैनी, महामंत्री घीसालाल तंवर, ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज उपाध्यक्ष सूरजमल ठेकेदार, कानाराम खोवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस प्रशासन की ओर से भी सामूहिक विवाह सम्मेलन की बारात के दौरान चाक-चौबंद व्यवस्था की गई। चौमूं एसीपी राजेंद्र सिंह निर्वाण, चौमूं थाना प्रभारी हेमराज, विश्वकर्मा थाना प्रभारी रमेश सैनी, हरमाड़ा थाना प्रभारी मांगीलाल विश्नोई सहित पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता तैनात रहा।

खेती को फायदे का सौदा बनाने की पहल सालभर मशरूम उगाई जा सकती है, थोड़ी मेहनत, देखभाल से 30 से 45 दिन में फसल तैयार

कभी खाए हैं मशरुम के लड्डू, बिस्किट, नमकीन और पापड़

प्रदेश में बूंदी का एकमात्र किसान प्रेमशंकर माली बना रहे पौष्टिक प्रोडक्ट

खेत की जरूरत नहीं इंगोपड़ी में भी उगाई जा सकती है

बूंदी। मोतीचूर, बेसन या बूंदी के लड्डू तो खाए-खिलाए भी होंगे, मशरूम की सब्जी भी खाई होगी, पर मशरूम लड्डू भी होते हैं, हममें से ज्यादातर ने सुना भी शायद नहीं होगा। नयाबरधा गांव के किसान प्रेमशंकर सैनी मशरूम के पापड़, लड्डू नमकीन, बिस्किट और कई तरह के प्रॉडक्ट घर में ही तैयार कर रहे हैं। प्रेमशंकर इस नवाचार के लिए राज्यस्तर पर सम्मानित हो चुके हैं। बूंदी, कोटा, टोंक, जयपुर से जोधपुर तक से ऑर्डर भी आ रहे हैं। किसान सैनी ये नवाचार किया है, ताकि खेती फायदे का सौदा बन सके, मशरूम और इसके बने प्रॉडक्ट से लोगों की सेहत भी चंगी रहे।

वे मशरूम से बने पापड़, बिस्कुट, नमकीन, लड्डू, प्रोटीन पावडर और अन्य प्रॉडक्ट बनाकर कोटा, बूंदी, टोंक, जयपुर, जोधपुर तक सप्लाई करने लगे हैं। मशरूम के हेल्दी और टेस्टी प्रॉडक्ट लोगों को पसंद आने से ऑर्डर भी बढ़ रहे हैं। मशरूम फाइव स्टार होटल्स की सब्जी रही है। प्रेमशंकर ने इस नवाचार के लिए मशरूम का बीज 100 रुपए किलो में जयपुर से खरीदा। 20 बाई 20 की पराल की झोंपड़ी में मशरूम उगाई। बीज, भूसे, देखभाल पर करीब 8 से 10 हजार का खर्च पड़ा।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक खेती को फायदे का सौदा बनाने और किसानों की इनकम दोगुनी करने के लिए प्रयोग, प्रोजेक्ट और प्रशिक्षण करते रहते हैं। किसान प्रेमशंकर खेती में नवाचार कर पैसा कमाना चाहते थे। केवीके की गृहविज्ञानी डॉ. कमला महाजनी ने उन्हें मशरूम की खेती और उसके प्रॉडक्ट बनाकर बेचने का सुझाव दिया। आर्या परियोजना में 21 दिन की ट्रेनिंग में मशरूम उगाने, प्रॉडक्ट बनाने और उनकी मार्केटिंग के टिप्स सिखाए गए। इसके बाद प्रेमशंकर ने घर पर ही छोटी सी जगह में मशरूम की खेती कर प्रॉडक्ट बनाने शुरू कर दिए। आइडिया चल निकला। आज वे मशरूम के हेल्दी प्रॉडक्ट बना और बेच रहे हैं। दूसरे किसान भी प्रेरित हो रहे हैं। कई किसान उनके पास उन्नत पैदावार के तौर तरीके सीखने आ रहे हैं।

वे बताते हैं कि सालभर मशरूम उगाई जा सकती है, इसे अंधेरा और भूसा चाहिए। इसलिए झोपड़ी बनानी पड़ती है. गर्मियों में झोपड़ी में एसी भी लगाना पड़ता है। मशरूम की फसल 40 से 45 दिन में थोड़ी मेहनत, देखभाल से तैयार हो जाती है। ना ही इसमें खेत की जरूरत है। सैनी बताते हैं कि मशरूम की कई किस्में हैं। वे ढींगरी मशरूम उगा रहे हैं। मशरूम सेहत के लिए बहुत अच्छी होती है। इसमें वसा, शर्करा की मात्रा कम होती है, जो डायबिटीज, मोटापा, ब्लडप्रेशर में फायदेमंदर रहती है। इससे बने प्रॉडक्ट में प्रोटीन, फास्फोरस, कॉपर, पोटेशियम व सेलिनियम जैसे तत्वों के अलावा विटामीन-सी, बी और डी भी होता है।

जो शरीर में पोषक तत्वों की कमी पूरी करातहै। यह इम्यूनिटी पावर बढ़ाती है और हड्डियों के लिए अच्छी है। जनरल फिजिशियन डॉ. ओ पी मीणा बताते है कि मशरूम में केलोस्ट्रॉल, स्टार्च और वसा कम मात्रा कम होती होने से यह हार्ट और शुगर पेशेंट के मोटापा, ब्लडप्रेशर में फायदेमंद है। इसे बीटा ग्लुकेन नाम का तत्व होता है।

वसा कम होने से मोटापा कम होता है। रेशेदार, क्षारीय तत्व ज्यादा होने से कब्ज, अजीर्ण में भी फायदेमंद है। कई बीमारियों के खिलाफ इम्यूनिटी पावर बढ़ाने की भी क्षमता होती है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, बूंदी किसान युवाओं, महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए कई तरह के व्यावसायिक ट्रेनिंग दे रहा है। -डॉ. कमला महाजनी, गृहवैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र

कृषि विज्ञान केंद्र बूंदी पर उन्नत और व्यावसायिक खेती, खुद ही प्रोडक्ट तैयार करने, उसकी मार्केटिंग करने की ट्रेनिंग देता है। इनमें से एक युवा किसान प्रेमशंकर सैनी भी है। - डॉ. हरीश वर्मा, अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र

हार्दिक बधाई

सज्जन राज सांखला

को माली सैनी समाज कर्नाटका के सर्व सहमति से नए अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

ग्राम पूंजला के 12 बेरा के विकास हेतु गठित की समिति

जोधपुर। ग्राम पूंजला के चहुंमुंखी विकास, सामाजिक सरोकार, संस्कृति धरोहरों का संरक्षण, मेले व शिविरों का आयोजन करने एवं क्षेत्र में खुशहाली हेतु माता का थान क्षेत्र के 12 बेरे जिसमें रामसागर बेरा, बावड़ी बेरा, रावला बेरा, हिरावा बेरा, बांकिया बेरा, बोडियाला बेरा, खेडियाला बेरा, चुतरावता बेरा, भादरवा बेरा, मंदिरवाला बेरा, नवोड़ा बेरा, हनुमान सागर बेरा के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में स्थानीय पार्षद भैरूसिंह परिहार व समाज सेवी अमित सांखला की मौजूदगी में एक समिति गठन का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें हर बेरा के प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई। इस सभी प्रतिनिधियों व उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति व सर्व सहमति से श्री सैनिक क्षत्रिय माली समाज (12 बेरा) पूंजला समिति का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष के रूप में बाबूलाल परिहार को सर्व सहमति से घोषित किया गया। तत्पश्चात् समिति की कार्य पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमें उपाध्यक्ष मुकेश गहलोत, कोषाध्यक्ष योगेन्द्र सांखला, सचिव महेश गहलोत, सह-सचिव मंयक टाक को पदभार दिया गया।

संस्था में संरक्षक प्रतिनिधि बावड़ी बेरा से ब्रहमसिंह, रामसागर से गणेश, मंदिरवाला बेरा से रामदयाल, चतुरावता बेरा से जगदीश देवड़ा, नवोड़ा बेरा से रूकमणसिंह, हनुमान सागर बेरा से बाबूसिंह टाक, खेड़ीवाला बेरा से सज्जनसिंह को नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी में रामसागर से प्रेमसिंह व रामचंद, चतुरावता से तरूण देवड़ा व लोकेश गहलोत, भादरवा बेरा से चेतन व युधिष्ठर, मंदिरवाला बेरा से लेखराज गहलोत व कुलदीप देवड़ा, हनुमान सागर से जेठू टाक व प्रदीप, बोडीवाला बेरा से सुभाष परिहार व धर्मराज गहलोत, खेड़ीवाला बेरा से ब्रहमसिंह परिहार व संपत भाटी, रावता बेरा से नेमजी व ढलजी, हिरावा बेरा से छंवरसिह गहलोत व कुशाल गहलोत, नवोडा बेरा से महेश गहलोत व गणेश, बांकिया बेरा से धनसिंह व नरपत, बावडी बेरा से मनोज व रवि समिति का प्रतिनिधित्व करेंगें।

स्थानीय पार्षद भैरूसिंह परिहार व नव गठित समिति अध्यक्ष बाबूलाल परिहार ने सभी उपस्थित सदस्य गणों का आभार व्यक्त किया और समिति के कार्य व रूपरेखा हेतु आगामी बैठक पर प्रस्ताव हेतु सभी सदस्यों व पदाधिकारियों को उपस्थित होने का आग्रह किया।

सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप समाज के सभी वर्गों के सहयोग से समाज के चहुंमुंखी विकास, सामाजिक सरोकार, संस्कृति धरोहरों का संरक्षण, मेले व शिविरों का आयोजन कर समाज को लाभन्वित करेंगे।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा

श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर

श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लारामगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर

हार्दिक बधाई

मेडिकल ज्यूरिस्ट पी. के सैनी पीबीएम के नए सुपरिटेंडेंट

बीकानेर। पीबीएम हॉस्पीटल में सरकार ने फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. पी. के. सैनी को सुपरीटेंडेंट का चार्ज दिया है। डॉ. सैनी ने बताया कि वे 20 साल से यहां सेवाएं दे रहे है और यहां की जरूरतों से पूरी तरफ वाकिफ है। पीबीएम हॉस्पीटल के डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ द्वारा डॉ. सैनी को बधाईयां प्रेषित की गई। माली समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्वजनों द्वारा डॉ. पी. के. सैनी के सुपरिंटेंडेंट बनने पर उन्हें बधाईयां प्रेषित की।

नन्द किशोर गढवाल अध्यक्ष मनोनीत

रतनगढ़। महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के शुभ अवसर पर स्थानीय श्री हनुमान पार्क के पास स्थित सैनी समाज अतिथि भवन में सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी सेवा संस्थान के जिलाध्यक्ष चानणमल राकसीया की अध्यक्षता में आयोजित चुनाव बैठक में सर्वसम्मति से श्री नन्दकिशोर गढवाल को रतनगढ़ सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी सेवा संस्थान का अध्यक्ष मनोनीत किया। इस अवसर पर चुनाव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंचासीन अतिथियों ने नवनियुक्त अध्यक्ष को बधाई दी। इस अवसर पर चुनाव अधिकारी के रूप में देवीदास श्री हनुमान बगीची अध्यक्ष चंद्रमोहन तंवर, रतनगढ़ सैनी समाज संरक्षक मदनलाल कम्मा, ओमप्रकाश टाक व पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल सैनी के निर्देशन में चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न हुई।

प्रियंका सैनी ऑल इण्डिया रैंक में शामिल

झुंझुनू। भौतिक शास्त्र में नेट जेआरएफ 2022 के परीक्षा परिणाम में नवलगढ़ की प्रियंका सैनी ने ऑल इण्डिया में 210वीं रैंक प्राप्त की। जानकारी देते हुए बताया कि मोतीसिंह कीढाणी स्थित गुरू कृपा स्कूल के निदेशक राजेश सैनी ने बताया कि प्रियंका ने विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में भाग लिया। छोटा बस स्टेण्ड नवलगढ़ के निकट रहने वाले सांवरमल सैनी की सुपुत्री प्रियंका ने अपनी इस सफलता का श्रेय कवांटन इंस्टीट्यूट जयपुर के साथअपनी माताश्री आचुकीदेवी और बहन आशा, राजश्री और सुमित्रा को दिया। जो तीनों ही प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी की अध्यापिकाएं हैं जिनका उत्साहवर्धन हमेशा मेरी मानसिक ताकत को बढावा देता रहता हैं। प्रियंका को इस सफलता पर महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के जिलाध्यक्ष नेकीराम धूपिया, कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष ताराचंद सैनी, महात्मा फुले विकास मंच के अध्यक्ष संजय सिंगोदिया भाजपा नेता इन्द्राजसिंह सैनी कायस्थपुरा जिला कांग्रेस सचिव एवं पार्षद सैनी आदि समाज बंधुओं ने बधाई दी।

बीकानेर के लाडले कोहिनूर दिव्यांग देवेन्द्र ने जीता गोल्ड

देवेंद्र गहलोत ने एक बार फिर अपने आपको साबित कर माली समाज और बीकानेर जिले का नाम रोशन किया है। देवेंद्र ने भुवनेश्वर, उड़ीसा में आयोजित 20 वीं नेशनल पैरा एथैलिटेक्स प्रतियोगिता के गोला फेंक श्रेणी में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है।

श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडंनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर
श्री रविन्द्र सिंह परिहार, नागौर मोटर्स, नागौर
श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह कच्छवाह, पीपाड़

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

ढ्ढह्ह्श्चक्रष्ठह्रह्रक्र

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 600/- | **5 वर्ष रू. 1,500/-** | **आजीवन रू. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रूपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेक के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

देश के विभिन्न शहरों में आयोजित महात्मा ज्योति बा फुले जयन्ती की झलकियां

जोधपुर : महात्मा फुले के सिद्धान्तों को आत्मसात करने का प्रण

बालोतरा : सेवा सप्ताह के तहत प्याऊ का उद्घाटन

बूंदी : स्कूलों में प्रतियोगिताएं और वाहन रैली के साथ जनप्रतिनिधियों का सम्मान

चित्तोड़गढ़ : माली युवा महासभा द्वारा जुलूस निकाला गया।

दौसा : सैनी समाज महात्मा फुले संस्थान द्वारा कलश यात्रा प्रतिभा सम्मान समारोह

सिंकदरा : महात्मा फुले सेवा संस्थान द्वारा प्रतिभाओं का सम्मान एवं कलश यात्रा

बैर : समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

कोटा : समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा भव्य रैली एवं रक्तदान शिविर

कुचामन,लाडनूं, डीडवाना में : विचार गोष्ठियों के साथ, पुष्पार्जलि

मंदसौर : पुष्पार्जलि, विचार गोष्ठियों के साथ स्टेशनरी का वितरण

मेरठ : विचार गोष्ठी के साथ ही पुष्पार्जलि का आयोजन

नागौर : फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्पार्जलि अर्पित कर मनाई।

सीकर : उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज बंधुओं का सम्मान

टोंक : विचार गोष्ठी के साथ, फुले के आदर्शों को अपनाने का आव्हान

जालौर : पुष्पार्जलि के साथ महात्मा फुले की जीवनी पर चर्चा

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

उत्कर्ष द्वारा देश का प्रथम डिजिटल क्लास रुम ऑन व्हील शिक्षा रथ लांच

हिंदीभाषी राज्यों में घूमेगा, 2 साल में 5 मिलियन से अधिक छात्रों तक पहुंचने का लक्ष्य

जोधपुर। उत्कर्ष क्लासेज की ओर से डिजिटल क्लासरूम ऑन व्हील्स शिक्षा रथ लॉन्च किया गया है। जो ना केवल राजस्थान बल्कि देशभर के हिंदीभाषी राज्यों में घूमकर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लाइव डिजिटल लर्निंग का अनुभव देगा। उत्कर्ष क्लासेज के सीईओ व फाउंडर डॉ.निर्मल गहलोत ने बताया कि शहरों और गांवों में अच्छे शिक्षक नहीं मिल पाते हैं।

ऐसे में अभिभावक डिजिटल स्टूडियो के माध्यम से यह अनुभव करेंगे कि कैसे उनके बच्चे घर बैठे इस डिजिटल सुविधा से एक्सपर्ट टीचर्स से सीख सकते हैं। हालांकि उत्कर्ष क्लासेज लर्निंग एप से सरकारी भर्ती व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा छठी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को घर बैठे डिजिटल शिक्षा उपलब्ध करवा रहा है, लेकिन शिक्षा रथ स्टूडेंट्स के गांव व शहर में यात्रा करेगा और विद्यार्थी इस रथ के माध्यम से अपने पसंदीदा शिक्षक से ना केवल व्यक्तिगत मिलेंगे, बल्कि उनसे सीखेंगे भी।

उन्होंने दावा किया है कि यह देश का ऐसा पहला रथ है जो डिजिटल क्लासरूम ऑन व्हील्स के रूप में कार्य करेगा। इसके तहत अच्छी शिक्षा व मार्गदर्शन के तहत आगामी दो साल में पांच मिलियन से अधिक छात्रों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसलिए शिक्षा रथ राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली की यात्रा करेगा। इसमें आधुनिक स्टूडियो, कैमरे और इंटरनेट की सुविधा है। इसके अलावा वैनिटी वैन की तरह इसमें बेडरूम, किचन, बाथरूम, डाइनिंग रूम आदि की सुविधाएं भी दी गई है। इस रथ में संस्थान के करंट अफेयर्स के एक्सपर्ट टीचर कुमार गौरव देश के स्टूडेंट्स को मोटिवेट करने के साथ ही रोज सुबह छह बजे यू-ट्यूब पर अपनी लाइव क्लास भी लेंगे।

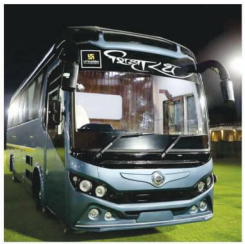

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com
पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR